डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 242 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 18 जून 2025 | मूल्य 2 रुपया

नहर में जा गिरा ट्रैक्टर, किसान की मौत

भानपुरा, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। खेत से लौटते समय 42 वर्षीय किसान फूलचंद चौधरी का ट्रैक्टर नहर में जा गिरा। स्टीयरिंग सही से नहीं कट पाने के कारण यह हादसा हुआ। फूलचंद खरीफ की फसल बोने की तैयारी कर रहे थे। खेत की हकाई करने के बाद वापस लौट रहे थे। इसी दौरान उनका ट्रैक्टर नहर में गिर गया।

सूचना मिलते ही भानपुरा पुलिस मौके पर पहुंची। उन्हें भानपुरा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। स्थानीय प्रशासन ने क्रेन बुलाकर नहर से ट्रैक्टर को बाहर निकाला। ट्रैक्टर के पीछे हकाई के औजार लगे हुए थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनो के सुपूर्द किया गया।

थोड़ी सी बारिश में सड़के पानी-पानी

- फिर तनाव देंगी बाबा आदम के जमाने की व्यवस्था..!
- तगड़े मानसून के पहले ही सड़कों पर पानी जमा होना शुरु

मंदसौर, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। शहर में पशुपतिनाथ लोक जैसे करोड़ो की विकास की योजनाओं को लाया गया। लेकिन, ड्रेनेज सिस्टम को लेकर कभी गंभीरता नहीं दिखाई गई। बारिश के तीन माह यही उदासीनता लोगों को ईरिटेड करती है। एक बार फिर सालों पुरानी ड्रेनेज व्यवस्था के चलते शहर की कई सड़के नाले में तब्दिल होगी। अभी तो मानसून की शुरुआत ही हुई है। कुछ देर की बारिश में ही शहर में कई जगहों पर बारिश का पानी जमा होने लगा है। जिससे आवागमन सहित अन्य समस्याओं से लोगों को परेशान होना पड़ रहा है।

मंदसौर शहर में बारिश का पानी और गंदे पानी को बाहर निकालने की व्यवस्था खुले नालों व नालियों पर ही निर्भर है। लगभग दो लाख की आबादी वाले मंदसौर में ड्रेनेज व सीवरेज के लिए शहर के घनी बस्ती वाले क्षेत्रों में छोटी नालियां बनी हुई है, जो शहर के दस बड़े नालों में मिलती है। कुछ नालों का पानी पंप हाउस होकर शिवना नदी में मिल रहा है। वहीं, कुछ नाले सीधे शिवना नदी में छोड़े जा रहे हैं। सामान्य दिनों में तो पानी सीधे बाहर निकल जाता है। जब-जब भी शहर में बारिश होती है तो नालों से जाने वाले पानी को बाहर निकालने के लिए पंप हाउस का उपयोग होता है। हालांकि इस बार पंप हाउस निर्माण के बाद 2019 जैसे हालात बनने से बचा जा सकेगा। उस समय घनी और पुरानी बस्तियों में मकानों की एक एक मंजिल तक डूब गई थी।

ग्वालियर रियासतकाल में शुरू हुई थी नालियां बनना...

मंदसौर में सर्वाधिक शासन ग्वालियर रियासत का रहा है। 1905 से 1920 के बीच विकसित हुए जीवागंज सहित घनी बस्तियों वाले क्षेत्रों में खुली ड्रेनेज लाइन व गंदे पानी की निकासी के लिए नालियां बनाई गई थी। आजादी के बाद से नालियों का जाल पूरे शहर में बिछाया गया। वहीं, जरूरत के मुताबिक प्राकृतिक नालों को पक्के नालों में परिवर्तित किया गया। पुराने शहर में घरों के सामने ही वी-शेप की नालियां बनाई गई थी, जो आज भी वैसी ही है।

कुल सड़को के मुकाबले कम है ड्रेनेज लाइन...

दस्तावेजों में दर्ज आंकड़ों को देखें तो मंदसौर में सड़कों की लंबाई कुल लगभग सवा सौ किलोमीटर है। इन सड़कों के मुकाबले केवल 30 किलोमीटर ड्रेनेज लाइन ही बिछी हुई है। यानी लगभग 25 फीसद एरिया में ही ड्रेनेज का कवरेज है।

यह कमियां दूर होना चाहिए...

- मोहल्लों व कालोनियों में बनी छोटी-छोटी नालियों की चौडाई व गहराई बढ़ानी चाहिए।
- बारिश व सीवरेज का पानी बाहर निकालने के लिए बने 10 बड़े नालो की हर माह सफाई होना चाहिए।
- प्रत्येक कॉलोनी में बनने वाली नालियों को आस-पास की कॉलोनियों से जोड़कर ही बनाना चाहिए। ताकि एक व्यवस्थित ड्रेनेज लाइन तैयार हो सके।

भूमिगत जल निकासी की व्यवस्था नहीं है। पानी, सड़क किनारे खुली नालियों, नालों के माध्यम से सीधे शिवना नदी में जाकर ही मिलता है।

नगर में लगभग 20 जगह होता है जल-जमाव...

मंदसौर नगर में लगभग 20 से अधिक ऐसे क्षेत्र हैं, जहां थोड़ी सी बारिश होते ही जल-जमाव हो जाता है। वर्ष 2019 में शहर में हुई 84 इंच बारिश में जिन इलाकों में अच्छा-खासा पानी भरा था। वह पिछले साल की 30 इंच बारिश में भी वैसा ही रहा। शहर के छह प्रमुख जल-जमाव वाले क्षेत्र है।

इन जगहों पर होती है ज्यादा परेशानी...

कैलाश मार्ग – इस क्षेत्र में नेहरू बस स्टैंड व उसके आस-पास का पानी जमा होता है। यहां निकासी की व्यवस्था नहीं होने से पानी सड़क पर घुटनों से भी ऊपर तक भर जाता है।

दया मंदिर मार्ग – यह मार्ग एक प्राकृतिक नाले पर बना है। यहां भी थोडी-सी बारिश में ही पूरी सड़क पर पानी भर जाता है और दुकानों में भी घुस जाता है।

शुक्ला चौक – नयापुरा रोड, कालाखेत के कुछ हिस्से, अशोक टॉकीज क्षेत्र व मुखर्जी चौक की तरफ का बारिश का पानी शुक्ला चौक में ही एकत्र होता है। यहां से आगे पानी जाने के लिए छोटे नाले होने से काफी जल-जमाव हो जाता है।

बालागंज रोड – गांधी चौराहे से बालागंज तरफ जाने वाले रास्ते पर भी जल-जमाव की काफी समस्या है। यहां पर गांधी चौराहा, दत्त मंदिर रोड व अन्य क्षेत्रों का पानी एकत्र होता है। निकासी की सही व्यवस्था नहीं होने से काफी पानी भर जाता है।

सम्राट मार्केट – नपा द्वारा विकसित किए गए सम्राट मार्केट की जगह भी पहले नाला ही बहता था। पर अब उसे बंद कर दिया गया है। इसका नतीजा यह होता है कि जरा-सी बारिश में पानी पूरे मार्केट में भर जाता है।

माल गोदाम रोड – इस मार्ग के रेलवे स्टेशन से लगे हुए हिस्से में भी बारिश का पानह भर जाता है। और आस-पास के घरों में भी घुस जाता है।

तीन दिन बाद से झमाझम बारिश..!

मामूली बरसात के बाद गर्मी से राहत, दिनभर छाए रहे बादल

मंदसौर, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित अंचल में मंगलवार सुबह से ही बादल छाए रहे। सुबह बूंदाबांदी तो दोपहर बाद बारिश का दौर शुरु हुआ। इस दौरान कभी मामूली बौछारे तो कभी तेज वर्षा के रूप में बारिश का दौर रुक-रुक कर चलता रहा। इससे गर्मी से थोड़ी राहत मिली।

महाराष्ट्र में 17 दिनों से अटकी मानसून एक्सप्रेस ने रफ्तार पकड़ ली। मानसून ने तय समय 15 जून से एक दिन बाद सोमवार को बुरहानपुर, खंडवा के रास्ते प्रदेश में दस्तक दी। मानसूनी बादल खंडवा, बड़वानी, बुरहानपुर को छूते हुए गुजरे। मौसम विभाग की फोरकास्ट इंचार्ज डॉ. दिव्या सुरेंद्रन के अनुसार, अगर सब कुछ ठीक रहा और सिस्टम एक्टिव रहे तो अगले तीन दिनों में अर्थात 20 जून से भोपाल समेत आधे प्रदेश में तो 26 जून तक पूरे प्रदेश में मानसून छाने की उम्मीद है। इस बार मप्र में 106 प्रतिशत बारिश के आसार हैं। उधर, आइएमडी ने जून के अंतिम सप्ताह तक मानसून के देश के ज्यादातर हिस्से को कवर करने की संभावना व्यक्त की है। आइएमडी ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में हवा का परिसंचरण निम्न वायुदाब का क्षेत्र बना रहा है, जिससे मानसून को गति मिलेगी।

20 जून तक भारी बारिश का अलर्ट...

मध्य प्रदेश समेत, छत्तीसगढ़, बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा में 20 जून तक, जबकि 22 जून को पंजाब, पूर्वी राजस्थान, हरियाणा में व 26 जून को पश्चिमी राजस्थान में तेज बारिश की संभावना।

युवक को चाकू घोपा, पेट में छोड़कर भागे बदमाश

मंदसौर के आरोपियो ने झालावाड़ में की वारदात

मंदसौर, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। राजस्थान के झालावाड़ जिले के डग कस्बे में एक युवक पर बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया। बदमाशों ने युवक के पेट में चाकू घोपा और भाग गए। चाकू युवक के पेट में ही रह गया। चिल्लाने की आवाजन सुनकर आसपास के लोग वहां पहुंचे और घायल के परिजनों को सूचना दी। परिजन तुरंत युवक को अस्पताल ले गए। इस मामले में बताया जाता है कि आरोपी मंदसौर के हैं। इसमें एक शामगढ़का युवक भी शामिल बताया जा रहा है। आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

डग थाने के एएसआई रोडूलाल डांगी ने बताया कि बागरी मोहल्ला निवासी हरिओम बारेठ उम्र 22 वर्ष रात 10 बजे खाना खाकर बाजार गया था। बाजार से वापस लौटते समय गायत्री मंदिर के पास उसने देखा कि उसके एक दोस्त का तीन लोगों से झगड़ा हो रहा है। हरिओम वहां गया और विवाद सुलझाने की कोशिश की। इसी दौरान तीनों बदमाशों ने उस पर हमला कर दिया। बदमाशों ने हरिओम के पेट में चाकू घोंप दिया। इसके बाद चाकू पेट में ही छोड़कर हमलावर वहां से भाग गए। हरिओम के चीखने की आवाज सुनकर आसपास के लोगों ने हरिओम के परिजनों को सूचना दी। परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे और उसे सीएचसी डग ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद हरिओम को 108 एंबुलेंस से झालावाड रेफर किया गया।

तीनों युवकों को पुलिस ने हिरासत में लिया...

हरिओम की मां ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने बताया कि हमले के कारणों की जांच की जा रही है। तीनों आरोपी युवकों को हिरासत में ले लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। हरिओम की मां ने बताया कि उनके पति की मौत हो चुकी है। जिसके बाद से हरिओम ढोल बजाने का काम करता था, जिससे घर परिवार का खर्च चलता है।

लूट का आरोपी जहरीली शराब के साथ गिरफ्तार

नाहरगढ़, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने लूट के मामले में दो आरोपियों को जहरीली शराब के साथ पकड़ा है। आरोपियों से लूट का सामान भी जब्त कर लिया गया है।

पुलिस ने बताया कि बीती 11 जून को मदनलाल पिता किशनलाल लोहार उम्र 38 वर्ष निवासी खड़पालिया ने शिकायत दर्ज कराई। जिसमें उसने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर भैस खरीदने का बोला और मुझे फोन कर बासखेडी गांव से बाहर मगराना रोड पर हनुमान जी मंदिर के आगे कच्चे रास्ते पर बुलवाया। वहां पहुंचने पर दो लोगों ने मारपीट की। दोनों बदमाश गले का ताबिज व कान की कड़िया और जेब में रखे रुपये लुट कर भाग गये। मामले में थाना नाहरगढ़ पर अज्ञात आरोपियो के विरुद्ध अपराध धारा 118(1), 115, 351(3), 309 (6) 1 (5) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। इधर मुखबीर सूचना पर 16 जून सोमवार को आरोपी सुमित पिता गोपाल बाछड़ा उम्र 20 वर्ष निवासी काल्याखेडी व संदीप पिता राकेश बाछड़ा उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम काल्याखेडी को जहरीली शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियो ने क्षेत्र में हुई लुट की घटना के करना स्वीकार किया। जिनको गिरफ्तार कर उक्त प्रकरण में लूटा गया मश्रुका बरामद किया गया।

पांच हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

नाहरगढ़, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में फरार चल रहे 5 हजार रुपये के इनामी आरोपी श्रवण कुमार पाटीदार निवासी पिपलिया कराडिया को गिरफ्तार किया है।

मामला 23 मार्च 2025 का है। पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली थी कि एक सिल्वर रंग की महिंद्रा एक्सयूवी 500 में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की जा रही है। पुलिस ने बेखेडा से सूरी रोड पर नाकाबंदी कर वाहन को पकडा। तलाशी में वाहन से तीन काले प्लास्टिक के कट्टों में 45 किलो डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके पर वाहन चालक लक्ष्मण गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया था तो वही इस मामले में श्रवण पाटीदार फरार बताया जा रहा था। जिसे पुलिस ने अब गिरफ्तार कर लिया है।

इस मामले में थाना नाहरगढ़ में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15(बी), 29, 25 के तहत अपराध दर्ज किया गया था। जब्त किए गए वाहन और डोडाचूरा की कीमत 5.55 लाख रुपये आंकी गई थी। आरोपी श्रवण को विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट न्यायालय मंदसौर में पेश कर रिमांड लिया गया। मामले में पूछताछ जारी है।

डोडाचूरा तस्करी में फरार ईनामी आरोपी गिरफ्तार

पिपलियामंडी, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने पांच हजार रुपए के ईनामी फरार आरोपी को गिरफ्तार किया। जिसे कोर्ट ने पुलिस रिमाण्ड पर सौंपने के आदेश दिए है। जानकारी के अनुसार 23 मार्च 2025 को नाहरगढ पुलिस ने कार से 45 किलो डोडाचूरा समेत बांसाखेडी निवासी लक्ष्मण गुर्जर को गिरफ्तार किया था। इस प्रकरण में पिपलिया कराडिया निवासी श्रवण पिता छगनलाल पाटीदार फरार था। नाहरगढ टीआई प्रभात गौड़ ने बताया कि आरोपी पर मंदसौर एसपी अभिषेक आनंद ने 5 हजार रुपए का ईनाम घोषित किया था। पुलिस ने आरोपी श्रवण को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट कोर्ट में पेश किया, जिसे पुलिस रिमाण्ड पर सौंपने के आदेश हुए। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

चोरी के आरोप में तीन युवकों को निर्वस्त्र कर पीटा..!

वीडियो वायरल, पुलिस कप्तान ने कहा होगी कार्यवाही

मंदसौर, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। सीतामऊथाना क्षेत्र के ग्राम सेमलिया रानी में ट्रांसफॉर्मर से तेल चोरी करते पकडे गए तीन युवकों को ग्रामीणों ने निर्वस्त्र कर जमकर पीटा। इस मारपीट का वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में हडकंप मच गया है। पुलिस ने चोरी के आरोप में तीनों आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन, अब पीटने वालों पर भी मामला दर्ज होने की तैयारी है।

यह घटना 15 जून की रात की बताई जा रही है। ग्राम सेमलियारानी में खेत पर लगे ट्रांसफॉर्मर से तेल चोरी करते समय राहुल मोगिया, अर्जुन ब्राह्मण (दोनों निवासी माउखेडा) और शांतिलाल मोगिया (निवासी कुशालपुरा) को ग्रामीणों ने रंगे हाथों पकड लिया। इसके बाद तीनों के कपडे उतरवाकर उन्हें सार्वजनिक रूप से पीटा गया। इस घटना का वीडियो खुद मारपीट करने वालों ने ही बनाया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में तीनों युवकों को अर्धनग्न हालत में लाठी-डंडों से पीटते हुए कुछ लोग दिखाई दे रहे हैं। पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा कि, 'चोरी करने वालों को सजा देना अदालत का कार्य है, कानून को हाथ में लेना अस्वीकार्य है। मारपीट करने वालों की पहचान कर उनके विरुद्ध भी अपराध दर्ज किया जाएगा।' बता दे कि चोरी के मामले में सेमलिया रानी निवासी उदयलाल की शिकायत पर माउखेडा के राहुल मोगिया, अर्जुन ब्राह्मण और कुशालपुरा के शांतिलाल मोगिया को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 80 लीटर ट्रांसफॉर्मर ऑयल, एक आयशर ट्रैक्टर और कंप्रेशर मशीन जब्त की है। इनके विरुद्ध अपराध धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज है।

मंगलवार रहा तबादला दिवस

कई विभागो के सैकड़ो अधिकारी-कर्मचारी इधर से उधर

मंदसौर, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। बीती 01 मई को तबादलों पर से प्रतिबंध हटाया गया था। जिसकी अवधि मंगलवार 17 जून को आखिरी थी। तबादलों की समय-सीमा अब और नहीं बढ़ाई जाएगी, यह पहले ही साफ हो चुका था। इधर कई विभागों में तबादला सूची जारी नहीं हो पाई थी। मंगलवार को इन विभागों समेत अन्य सभी विभागों की तबादला सूची जारी होना तय माना जा रहा था। हुआ भी यही, तबादले की तारीख का अंतिम दिन तबादला दिवस की तरह मना। पुलिस, नगरीय प्रशासन विभाग, राजस्व विभाग, भू अभिलेख विभाग, तहसील कार्यालय सहित अन्य विभागों में सैकड़ों अधिकारियों, कर्मचारियों का स्थानांतरण किया गया।

कई पटवारी, आरआई इधर से उधर...

जिला प्रशासन ने मंगलवार को 75 पटवारियों के तबादले किए है। मंदसौर के कस्बा पटवारी महेश पाटीदार को दलौदा, दिनेश पंवार को सुवासरा, पवन पंवार को सुवासरा, रविन्द्र पाटीदार को गरोठ, राकेश पंवार को भानपुरा, प्रवीण व्यास को मल्हारगढ, अक्षय शुक्ला को दलौदा, योगेश भावसार को भानपुरा, गोवर्धन राठौर को मल्हारगढ, आशा सोनी को सीतामऊ, महेश भावसार को सुवासरा, सबीहा पयामी को सीतामऊ, जसपाल रावत को गरोठ, बबलु खेर को मल्हारगढ, नानुराम पाटीदार को दलौदा भेजा गया है। कुल जमा जिले में 75 पटवारियों को इधर से उधर किया गया है। इसी तरह से राजस्व विभाग की बात करें तो अन्य कर्मचारियों का भी स्थानांतरण किया गया है। इनमें तहसील कार्यालयो में पदस्थ कर्मचारियो एवं राजस्व निरीक्षक 'आरआई' भी शामिल है।

मंदसौर सीएमओ को सिहोर भेजा...

नगरीय प्रशासन विभाग ने स्थानांतरण की बीस सूचियां जारी की है। जिसमें मंदसौर सीएमओ सुधीर सिंह का स्थानांतरण सिहोर किया गया है। सुधीर सिंह करीब ढाई साल तक मंदसौर में रहे। फिलहाल मंदसौर के लिए नए सीएमओ का नाम नहीं सामने आया है। इसके अलावा शामगढ़ से लेखापाल जगदीश दानगढ़ को राजपुर जिला बड़वानी भेजा गया है। सुवासरा सीएमओ का तबादला नीमच के नयागांव किया गया है। इसके अलावा कलेक्टर भू अभिलेख कार्यालयों में भी 79 कर्मचारियों के तबादले किए गए है।

250 पुलिस वाले इधर से उधर...

पुलिस मुख्यालय से मिले निर्देश के बाद रतलाम व नीमच के पुलिस कप्तान ने पत्ते फेंटते हुए कई पुलिस वालो को इधर से उधर किया था। संभावना जताई जा रही थी कि मंदसौर पुलिस कप्तान भी जल्द ही नई फिल्डींग जमाएंगे।

पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद ने मंगलवार को 250 पुलिस वालों का स्थानांतरण आदेश निकाला है। इसमें दो थाना प्रभारी शामिल है। इसके अलावा 13 उप निरीक्षकों, 26 एएसआई, 70 प्रधान आरक्षक और 130 के करीब आरक्षकों के तबादले एक थाने से जिले के दूसरे थाने या लाईन में किए गए है। निरीक्षक वरसिंह कटारा को पुलिस लाईन से भावगढ़ थाना प्रभारी का जिम्मा दिया गया है। वहीं निरीक्षक राजेंद्रसिंह बघेल को भावगढ़ थाने से अजाक थाने भेजा गया है।

भानपुरा बबलू मीणा अपहरण: चार आरोपी गिरफ्तार, दो फरार

भानपुरा, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। नगर से तीन किलोमीटर दूर गरोठ रोड स्थित नाहरगढ के ढाबे पर काम करने वाले बबलू उर्फ ईश्वर मीणा उम्र 30 वर्ष के अपहरण का भानपुरा पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मंगलवार को थाने में प्रेस से चर्चा करते हुए एडिशनल एसपी हेमलता कुरील एवं नवागत एसडीओपी विजय कुमार यादव ने बताया कि बबलू को सकुशल बरामद कर लिया गया है तथा अपहरण में शामिल छह आरोपियों में से चार को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस के अनुसार, शराब के नशे में 50 रुपये के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था, जिसमें पुरानी रंजिश भी जुडी रही। इसी के चलते बबलू का अपहरण किया गया था। उसके पिता रामविलास मीणा निवासी बाबुल्दा की रिपोर्ट पर गुम इंसान क्रमांक 49/2025 दर्ज कर जांच शुरु की गई थी। पुलिस ने मंगलवार को मुखबीर सूचना पर बबलू मीणा को भवानी मंडी स्थित एक खेत के कमरे से सकुशल बरामद कर लिया। जांच में सामने आया कि मारपीट और धमकी के बाद डर के कारण वह स्वयं वहां छिप गया था। गिरफ्तार आरोपियों में रणजीत सिंह (27), देवीसिंह (50), राकेश (30) और गोपाल (28) शामिल हैं। इन सभी पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3), 142, 351, 3/5 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। फरार दो आरोपी दीवान सिंह और प्रधान सिंह की तलाश जारी है। एएसपी कुरील ने जानकारी दी कि प्रकरण में मौखिक, भौतिक और दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर कार्यवाही की गई है। पुलिस टीम के इस सफल ऑपरेशन के लिए उन्हें नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस घटना को लेकर मीणा समाज में रोष व्याप्त है और लगातार दूसरे दिन समाजजन थाने पहुंचकर सख्त धाराओं में प्रकरण दर्ज करने की मांग करते नजर आए।

विचार-मंथन

नशे के खिलाफ हिप्र ने दिखाई नई राह

भारत के कई राज्यों के युवा नशे की लत के शिकार होते चले जा रहे हैं. किसी समय पंजाब ड्रग्स का केंद्र माना जाता था लेकिन अब यह समस्या पूरे देश में फैल चुकी है. तो यह सवाल बिल्कुल सहज है कि इस समस्या से निपटें कैसे? तमाम तरह की कोशिशें हो रही हैं और इन्हीं में से एक बिल्कुल नई कोशिश हिमाचल प्रदेश में प्रारंभ हुई है. वहां हर थाने के माध्यम से ऐसे किट वितरित किए जा रहे हैं जिस किट पर मूत्र की एक बूंद यदि डाली जाए तो पता चल जाएगा कि उस व्यक्ति ने किस तरह के ड्रग्स का इस्तेमाल किया है. निश्चय ही जिन घरों के युवा ड्रग्स के शिकार हो रहे हैं, उन युवाओं के बारे में परिवार को यह किट सतर्क करेगी. दरअसल न केवल हिमाचल प्रदेश बल्कि हर पहाड़ी राज्य में व्यापक पैमाने पर नशे का नेटवर्क बन चुका है. वैसे ड्रग्स तस्करों के अस्ली शिकार तो वहां तफरीह के लिए पहुंचने वाले पर्यटक होते हैं लेकिन इस चक्कर में स्थानीय युवाओं का नेटवर्क तैयार किया जाता है जो खुद इसका शिकार हो जाते हैं. इसका दुष्परिणाम यह होता है कि जिन युवाओं को अपनी मेहनत के बल पर आगे बढ़ना था वे किसी काम के नहीं रह जाते हैं. निजी तौर पर युवक और उसके परिवार को तो नुकसान होता ही है, समाज भी पीछे चला जाता है. इसका असर राष्ट्र पर भी होता है क्योंकि युवा ही तो देश के आधार स्तंभ हैं! नशे के कुछ सौदागर भले ही पैसा कमाने के लिए ड्रग्स के कारोबार को बढ़ाते हैं लेकिन बहुत बड़ी सच्चाई यह भी है कि भारत में ड्रग्स के कारोबार के दो प्रमुख सहयोगी हैं, एक पाकिस्तान और दूसरा चीन. अभी जो मणिपुर भीषण जातीय संघर्ष से गुजर रहा है, वहां कुछ-कुछ दिनों के अंतराल पर ड्रग्स के खेप भी कहां से बरामद हो रहे हैं? यह सत्य किसी से छिपा नहीं है कि म्यांमार के रास्ते ड्रग्स भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में पहुंचाया जा रहा है. वहां से यह ड्रग्स पूरे भारत में पहुंचता है. दूसरी तरफ पाकिस्तानी तस्कर बड़ी मात्रा में ड्रग्स पंजाब के

रास्ते और कश्मीर के रास्ते भारत भेज रहे हैं. आप कुछ आंकड़ों पर गौर करेंगे तो दंग रह जाएंगे. पिछले साल राज्यसभा में यह जानकारी दी गई थी कि 2020 से 2023 के बीच जिन पांच राज्यों में सबसे ज्यादा ड्रग्स जब्त हुए उनमें करीब 2 लाख 93 हजार किलो ड्रग्स तमिलनाडु में जब्त किया गया. उसके बाद राजस्थान, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, ओडिशा और मध्यप्रदेश का नंबर था. आंकड़े बताते हैं कि 2004 से 2014 के बीच 5900 करोड़ रुपए मूल्य के ड्रग्स जब्त हुए जो अगले दस साल (2014-2024 में बढ़ कर 22 हजार करोड़ हो गया. ये तो वो आंकड़े हैं जो ड्रग्स जब्त हुए. सवाल यह है कि ड्रग्स नेटवर्क का कितना ड्रग्स पकड़ा गया और कितना युवाओं के शरीर में चला गया? अभी तो यही पता नहीं है कि भारत में ड्रग्स का खतरनाक कारोबार आखिर कितनी राशि का है? बीच-बीच में कुछ बड़ी खेप पकड़ी जाती है लेकिन यह अंदाजा लगा पाना मुश्किल होता है कि देश में हालात क्या हैं? पिछले साल अक्तूबर में दिल्ली के महिपालपुर में दिल्ली पुलिस ने एक गोदाम से 562 किलोग्राम कोकीन और थाईलैंड से आया 40 किलोग्राम मारिजुआना (गांजा) बरामद किया था. पुलिस ने ड्रग तस्करों के अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया था. उसी दौरान एक नेता का नाम भी सामने आया था. यह कहना जल्दबाजी होगी कि राजनीति के लोग भी नशे के कारोबार में शामिल हैं लेकिन ऐसे मामलों में जब किसी नेता का नाम आता है तो यह शंका तो होती है कि नशे के कारोबारियों को राजनीति की ताकत मिलती होगी अन्यथा हजारों करोड़ रुपए के ड्रग्स दिल्ली जैसी जगह में कैसे पहुंच जाते? कहीं न कहीं पुलिस से भी चूक हुई होगी या कुछ लोग मिले होंगे! कारण जो भी हो लेकिन मौजूदा वक्त की सच्चाई यही है कि भारत नशे के कारोबारियों का शिकार होता जा रहा है. कुछ चलन ऐसा हो गया है।

मन्दिरों में पैसे लेकर एवं वीआईपी दर्शन बन्द हो

ललित गर्ग

ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में पैसे लेकर दर्शन कराने वाले बाउंसरों की गिरफ्तारी के बाद श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में सुगम दर्शन के नाम पर एक साथ इक्कीस लोगों की गिरफ्तारी जहां मंदिर प्रशासन की व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह है, वही ईश्वर के दरबार में पांव फैला रहा भ्रष्टाचार गहन चिन्ताजनक एवं शर्मनाक हैं। कुछ ही दिनों पहले ओंकारेश्वर स्थित ममलेश्वर मंदिर में भक्तों से वीआइपी दर्शन के नाम पर अवैध वसूली करने पर प्रशासन ने एक होमगार्ड जवान और दो पंडितों पर कार्रवाई की है। देश-विदेश के भक्त अगाध श्रद्धा से अपने आराध्य का दर्शन करने आते हैं, लेकिन देश के प्रमुख मन्दिरों में सीधे दर्शन कराने के नाम पर पैसों की लूट मची है या वीआईपी संस्कृति के नाम पर त्रासद एवं भेदभावपूर्ण स्थितियां पसरी है। सवाल यह पूछा जा रहा है कि हिंदुओं के धार्मिक स्थलों और आयोजनों में क्यों भक्तों के बीच भेदभाव होता है? मन्दिरों में गरीब एवं अमीर के बीच भेदभाव की स्थितियां खुला भ्रष्टाचार ही है। पैसे लेकर एवं वीआईपी दर्शन की अवधारणा भक्ति एवं आस्था के खिलाफ है। यह एक असमानता का उदाहरण है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी आघात करती है। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में तो त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था भी है। मंदिर का चप्पा-चप्पा सीसीटीवी कैमरे की पहुंच में है। यह मन्दिर सुरक्षा कारणों से अतिसंवेदनशील स्थल होने के बावजूद ऐसा कृत्य खेदजनक ही नहीं, आपत्तिजनक भी है। मंदिर प्रबंधन को चाहिए कि दर्शन की प्रचलित व्यवस्था को और सुगम, भ्रष्टाचार व दोषरहित बनाए ताकि व्यवस्था में कोई सेंध न लगे और जन-आस्था आहत न हो। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में तो सुगम दर्शन का शुल्क भी जमा कराया जाता है पर ठगों की जमात ने शीघ्र दर्शन के नाम पर कमाई का नया

रास्ता तलाश लिया। मंदिर प्रबंधन को चाहिए कि वह सुगम दर्शन व्यवस्था के नाम पर हो रही धांधली को गंभीरता से ले। फर्जी पंडा, गाइड बनकर लोगों को झांसे में लेने वाले लोग अचानक एक दिन में डेरा नहीं जमाए होंगे। यह सब काफी समय से चल रहा होगा। इस प्रकार की ठगी करने की संभावना कैसे बन जाती है, इसकी जांच होनी चाहिए। बात केवल ठाकुर बांके बिहारी मंदिर या श्रीकाशी विश्वनाथ धाम की ही नहीं है, बल्कि देश के प्रमुख मन्दिरों में बढ़ती जन-आस्था की भीड़ एवं लम्बी-लम्बी लाइनों के बीच पैसे लेकर या वीआईपी दर्शन कराने की त्रासद एवं विसंगतिपूर्ण स्थितियों की है, जिसने न केवल देश के आम आदमी के मन को आहत किया है, बल्कि भारत के समानता के सिद्धान्त की भी धज्जियां उड़ा दी है। कुछ विशेष लोगों को मिलने वाले वीआईपी सम्मान एवं सुविधा पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। बांके बिहारी मंदिर में एक बार फिर वीआईपी कल्चर का खेल सामने आया है। मंदिर की भीड़ से हटकर वीआईपी दर्शन कराने के नाम पर एक निजी सुरक्षा एजेंसी ने बाउंसर उपलब्ध कराकर पैसे कमाने का गोरखधंधा शुरू कर दिया था। एजेंसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक और इंस्टाग्राम पर प्रचार कर यह दावा किया कि वे श्रद्धालुओं को भीड़ से बचाकर विशेष वीआईपी दर्शन कराने में मदद कर सकते हैं। यह तो घोषित गैरकानूनी व्यवस्था है, लेकिन अन्य प्रमुख मन्दिरों में भी मन्दिर से जुड़े लोग या अन्य ठग पैसे लेकर दर्शन कराते हैं। सबसे ज्यादा दुखद एवं विडम्बनापूर्ण है वीआईपी दर्शन का प्रचलन। प्रश्न है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले ही कार्यकाल के दौरान वीआईपी कल्चर को खत्म करते हुए लालबत्ती एवं ऐसी अनेक वीआईपी सुविधाओं को समाप्त कर दिया था तो मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों की वीआईवी संस्कृति को क्यों नहीं समाप्त किया? क्यों मन्दिरों में वीआईपी दर्शन के लिये सरकार ने अलग से व्यवस्थाएं की। दरअसल, वीआईपी संस्कृति का दायरा बहुत व्यापक है। यह धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है। लोकतंत्र से लेकर आस्था तक, कई मौकों पर कुछ खास लोगों को विशेष सुविधाएं दी जाती हैं। लोकतंत्र का मूल सिद्धांत कहता है कि सभी नागरिक समान हैं, फिर भी व्यवहार में कुछ लोग 'विशेष' बन जाते हैं, चाहे वे सड़क पर हों, सरकारी दफ्तरों में, अस्पतालों में या मंदिरों में! इसी तरह, बड़े नेताओं और अधिकारियों के लिये मन्दिरों में सीधे दर्शन कराने की व्यवस्थाएं हैं, जिससे लम्बी कतारे और लम्बे समय का इंतजार करती है। ऐसी व्यवस्था से मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों में हादसें भी होते हुए देखे गये हैं। इन वीआईपी के लिए अक्सर यातायात रोक दिया जाता है, जिससे आम जनता घंटों जाम में फंसी रहती है। अस्पतालों में वीआईपी वार्ड हैं, जबकि आम मरीजों को बिस्तर भी नहीं मिल पाता। एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशनों पर वीआईपी यात्रियों को विशेष सुविधाएं मिलती हैं, जबकि आम लोग लंबी कतारों में खड़े रहते हैं। वीआईपी संस्कृति एक नासूर बन गई है। यही कारण है कि हर सरकार वीआईपी संस्कृति को खत्म करने का वादा करती है, लेकिन हकीकत में इसे बनाए रखने के नए-नए तरीके खोजे जाते हैं। वीआईपी कल्चर एवं पैसे लेकर दर्शन कराने की धांधली ने एक बार फिर से नये सिरे से बहस छेड़ दी है। सवाल उठ रहा है कि जब गुरुद्वारे में वीआईपी दर्शन नहीं, मस्जिद में वीआईपी नमाज नहीं, चर्च में वीआईपी प्रार्थना नहीं होती है तो सिर्फ हिन्दू मंदिरों में कुछ प्रमुख लोगों के लिए वीआईपी या पैसे लेकर दर्शन क्यों है? क्या इस पद्धति को खत्म नहीं किया जाना चाहिए, जो हिंदुओं में दूरिया पैदा करता है? प्रसिद्ध मन्दिरों में वीआईपी पास एवं दर्शन की व्यवस्था समाप्त क्यों नहीं होती? यह व्यवस्था समाप्त होना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने ही धार्मिक स्थलों पर होने वाली वीआईपी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किये हैं। निश्चित ही जब किसी को वरीयता दी जाती है और प्राथमिकता दी जाती है तो उसे वीवीआईपी या वीआईपी कहते हैं। यह समानता की अवधारणा को कमतर आंकना है।

वंशवाद के झगड़े बदल सकते हैं राजनीति?

प्रभु चावला

जहां भाई-बहन, भतीजे और बेटे जाति, समुदाय और क्षेत्रीय गर्व के नाम पर लड़ते रहते हैं. बीआरएस के तेलुगु क्षेत्र से एनसीपी के महाराष्ट्र तक, सपा के यादव वर्चस्व से राजद के ओबीसी वर्चस्व तक, बसपा के दलित सपनों से तृणमूल के बंगाली जोश तक, द्रमुक की द्रविड़ जड़ों से पीएमके की वन्नियार पहचान तक एक ही प्रवृत्ति दिखती है. ये तमाम पार्टियां सामाजिक और क्षेत्रीय पहचान पर फलती-फूलती हैं, लेकिन इनके पारिवारिक विवाद इन सच्चाइयों की असलियत उघाड़ देते हैं. क्या ये राजनीतिक वंशज झगड़ों के बाद भी राजनीतिक अस्तित्व बनाए रख सकेंगे? क्या समृद्धि और शिक्षा इन वंशवादी पार्टियों को खत्म कर देगी? और इनके राजनीतिक भाग्य का हमारी राजनीतिक पार्टियों के भविष्य से क्या लेना-देना है? स्वतंत्र तेलंगाना राज्य आंदोलन के दौरान जन्मी बीआरएस ने तेलुगु स्वाभिमान को अपना आधार बनाया. लेकिन कविता के विद्रोह और पार्टी पर केटीआर की मजबूत पकड़ ने बता दिया है कि पार्टी अपनी पहचान खो सकती है. केसीआर इस मुद्दे पर खामोश हैं, लेकिन उनकी संतानों का आपसी झगड़ा उन मतदाताओं को पार्टी से दूर कर सकता है, जो स्वतंत्र तेलंगाना राज्य के लिए एकजुट हुए थे. अगर बीआरएस बिखरती है तो भाजपा और कांग्रेस इसका लाभ उठाएंगी. बिहार में राजद ओबीसी तथा मुस्लिम वोट बैंक और लालू प्रसाद की सवर्ण विरोधी विरासत पर टिका है. उनके बेटे तेजप्रताप और तेजस्वी के बीच विवाद है. तेजप्रताप के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 'जयचंदों' का जिक्र है और पुराने रोमांस का भी. इस पर तेजप्रताप की अलग हो चुकी पत्नी ऐश्वर्या की शिकायती प्रतिक्रिया मतदाताओं को पार्टी से दूर कर सकती है. अगर राजद अलग-थलग पड़ जाता है, तो राज्य के युवा फिर भाजपा या नीतीश कुमार के पाले में जा सकते हैं. लेकिन अगर तेजस्वी के दिशानिर्देश में राजद मजबूत होकर उभरता है, तो इससे भाजपा के वर्चस्व को चुनौती मिलेगी और महागठबंधन में कांग्रेस को राजद के पीछे-पीछे चलना पड़ेगा. उत्तर प्रदेश में यादव और ओबीसी पहचान पर आधारित सपा अब भी 2016 के पारिवारिक विवाद से उबर नहीं पाई है. हालांकि अखिलेश अब सपा के वोट बैंक के साथ मजबूती से खड़े हैं, पर प्रदेश के शहरी युवा जातिवाद से कम प्रभावित हैं. यदि सपा और विखंडित होती है तो हिंदुत्व और विकास मॉडल के जरिये भाजपा राज्य में और मजबूत होगी तथा कांग्रेस को और भी हाशिये पर धकेल देगी. दूसरी तरफ यादव-मुस्लिम जनाधार को मजबूती से थामते हुए सपा अगर एकजुट होती है तो भाजपा को तगड़ी चुनौती मिल सकती है. एनसीपी ने मराठा गौरव और मजबूत ग्रामीण नेटवर्क से महाराष्ट्र में अपना मजबूत जनाधार बनाया था. लेकिन 2023 में अजित पवार के भाजपा के साथ जाने के सदमे से पार्टी अब भी उबर नहीं पाई है. अगर यथास्थिति बनी रहती है तो भाजपा और उसकी सहयोगी शिवसेना का वर्चस्व बना रहेगा, जबकि कांग्रेस को शहरी इलाकों में थोड़ा-बहुत समर्थन मिलेगा. लेकिन अगर एनसीपी एकजुट होती है, तो वह किंगमेकर बन सकती है. दलितों के सशक्तिकरण का लक्ष्य लेकर बसपा आगे बढ़ी और मायावती इसका केंद्रबिंदु बनीं. पार्टी में अपने भाई आनंद कुमार और भतीजे आकाश आनंद को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने का मायावती का फैसला भाई-भतीजावाद का ही अनुपम उदाहरण था. जाटव और दलित बसपा का वोट बैंक रहे हैं, पर शिक्षित दलितों के भाजपा के विकास कार्यों से आकर्षित होने के कारण बसपा का जनाधार सिकुड़ रहा है. अगर बसपा वंशवाद के बोझ तले दब जाती है तो भाजपा इसका लाभ उठाएगी और उत्तर प्रदेश में खुद को और मजबूत करेगी, जबकि कांग्रेस को शहरी दलितों के ही कुछ वोट मिल पाएंगे. दूसरी ओर, यदि मायावती अपनी सक्रियता छोड़ती हैं और आकाश आनंद के नेतृत्व में बसपा खुद को मजबूत बना लेती है तो उत्तर प्रदेश की जाति राजनीति में बसपा राष्ट्रीय पार्टियों को चुनौती देने की स्थिति में होगी. पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ममता बनर्जी के दिशानिर्देश पर चलती है और अभिषेक बनर्जी उनके उत्तराधिकारी हैं. सांसद और महासचिव के रूप में तृणमूल में अभिषेक के उत्थान ने पार्टी के अनेक वरिष्ठों को असहज किया है. अभी तो पार्टी में सब कुछ ठीक है लेकिन ममता के बाद पार्टी अगर टूटती है तो राज्य के मतदाता भाजपा के पाले में जा सकते हैं. दूसरी तरफ, अभिषेक के नेतृत्व में एकजुट तृणमूल राष्ट्रीय पार्टियों को उसके साथ खड़े होने के लिए विवश कर सकती है. तमिलनाडु में करुणानिधि के पुत्र एम.के. स्टालिन उदयनिधि को अपना उत्तराधिकारी बनाने की तैयारी कर रहे हैं. द्रमुक का नेतृत्व मजबूत है, लेकिन तमिलनाडु में आईटी सेक्टर के जिन युवाओं के जरिये समृद्धि आई है।

पिता-पुत्र का रिश्ता बेजोड़ एवं विलक्षण है

भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों में पिता को देवतुल्य माना गया है। हमारे ग्रन्थों में माता-पिता और गुरु तीनों को ही देवता माना गया है। इनकी सेवा और भक्ति में कसर रह जाए तो फिर ईश्वर की प्राप्ति संभव नहीं। भारतीय संस्कृति में पिता का स्थान आकाश से भी ऊंचा माना गया है, पिता की धर्म है, पिता ही संबल है, पिता ही ताकत है। पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संवेदनाओं के पुंज हैं। इसके महत्व को दर्शाने और पिता व पिता तुल्य व्यक्तियों के योगदान को सम्मान देने के लिए हर साल जून महीने के तीसरे रविवार को अंतर्राष्ट्रीय पिता दिवस यानी फादर्स डे मनाया जाता है। इस साल 15 जून 2025 को भारत समेत विश्वभर में यह दिवस मनाया जायेगा। फादर्स डे 2025 का आधिकारिक थीम 'पिताः लचीलेपन का पोषण और भविष्य को आकार देना' है। यह थीम हमारे जीवन में पिताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालती है, जो बच्चों में सकारात्मक भावनाओं और सामाजिक विकास को बढ़ावा देते हैं। दुनिया के अलग-अलग देशों में अलग-अलग दिन और विविध परंपराओं के कारण उत्साह एवं उमंग से यह दिवस मनाया जाता है। यह एक ऐसा दिन है जिसे अपने पिता के सम्मान के लिए मनाया जाता है, साथ ही पितृत्व, पैतृक बंधन और समाज में पिताओं के प्रभाव को भी याद किया जाता है। हिन्दू परंपरा के मुताबिक पितृ दिवस भाद्रपद महीने की सर्वपितृ अमावस्या के दिन होता है। पिता एक ऐसा शब्द जिसके बिना किसी के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। एक ऐसा पवित्र रिश्ता जिसकी तुलना किसी और रिश्ते से नहीं हो सकती। पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी पिता की जगह नहीं ले सकता। पिता अपनी संतान के सच्चे शुभचिंतक एवं हितैषी होते हैं। सोनेरा डोड जब नन्ही-सी थी, तभी उनकी मां का देहांत हो गया। पिता विलियम स्मार्ट ने सोनेरो के जीवन में मां की कमी नहीं महसूस होने दी और उसे मां का भी प्यार दिया। एक दिन यूं ही सोनेरा के दिल में ख्याल आया कि आखिर एक दिन पिता के नाम क्यों नहीं हो सकता? इस तरह 19 जून 1910 को पहली बार फादर्स डे मनाया गया। 1924 में अमेरिकी राष्ट्रपति कैल्विन कोली ने फादर्स डे पर अपनी सहमति दी। फिर 1966 में राष्ट्रपति लिंडन जानसन ने जून के तीसरे रविवार को फादर्स डे मनाने की आधिकारिक घोषणा की। पिता ही बच्चों की सुरक्षा, विकास व समृद्धि के बारे में सोचते हैं। बावजूद बच्चों द्वारा पिता की लगातार उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं प्रताड़ना की स्थितियों बढ़ती जा रही है, जिन पर नियंत्रण के लिये इस दिवस की विशेष उपयोगिता एवं प्रासंगिकता है। मानवीय रिश्तों में दुनिया में सबसे बड़ा स्थान मां को दिया जाता है, लेकिन एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। पिता नीम के पेड़ जैसा होता है उसके पत्ते भले ही कड़वे होते हैं पर वो छाया ठंडी देता है। पिता और बच्चों का रिश्ता इस दुनिया में सबसे अलग होता है। एक तरफ पिता बच्चों को डांटते हैं, तो दूसरी तरह बच्चों से बेहद प्रेम भी करते हैं। पिता अपने बेटे की चोट पर व्यथित तो होता है लेकिन उसे बेटे के सामने मजबूत बने रहना है। ताकि बेटा उसे देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों में पिता को देवतुल्य माना गया है। हमारे ग्रन्थों में माता-पिता और गुरु तीनों को ही देवता माना गया है। इनकी सेवा और भक्ति में कसर रह जाए तो फिर ईश्वर की प्राप्ति संभव नहीं। और अगर हमने इनकी सेवा पूरे मन से की तो भगवान स्वयं कच्चे धागे से बंधे भक्त के पीछे-पीछे चल पड़ते हैं। इस दिवस को मनाने के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं।

ग्रीष्मकालीन ताइक्वांडो, वूशु कराते, पेंचिक सिलाट समर कैंप में सम्मलित खिलाड़ियों की हुई प्रतियोगिता

मंदसौर, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। मिक्स मार्शल आर्ट एसोसिएशन मंदसौर के संचालक अध्यक्ष श्री गगन कुरील ने बताया की मिक्स मार्शल आर्ट एसोसिएशन मंदसौर एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वधान में चल रहा 29 वा ग्रीष्मकालीन ताइक्वांडो ,वूशु कराते, पेंचिक सिलाट मार्शल आर्ट समर कैंप 15 मार्च से 15 जून 2025 तक तीन महीने चले शिविर मैं भाग लिए खिलाड़ियों की 14 जून को महारानी लक्ष्मी बाई विद्यालय मे प्रतियोगिता आयोजित की गई स जिसमें मिक्स मार्शल आर्ट एसोसिएशन के द्वारा मंदसौर जिले के चार स्थान में समर कैंप संचालित किए गए थे स महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय, मेघदूत नगर गरबा गार्डन, आईपीएस इंग्लिश स्कूल गांधीनगर, साईं बाबा मंदिर के पास शिव मंदिर अभिनंदन में समर कैंप चलाए गए सभी जगह के खिलाडियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ के मुख्य अतिथि वरिष्ठपत्रकार एवं जिला स्पोर्ट्स ताइक्वांडो एसोसिएशन मंदसौर के अध्यक्ष सुरेश जी भाटी, कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत एवं जिला पेंचक सिलाट एसोसिएशन मंदसौर के अध्यक्ष विजय जी कोठारी , विशेष अतिथि शासकीय कन्या महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय के प्रिंसिपल कै,सी जी सोलंकी , पार्षद आशीष जी गौड़ , पूर्व डीएसपी पुलिस विभाग अब्दुल रशीद खान , सिटी कोतवाली के दीवान मनोहर जी मसानिया , पुलिस विभाग से आनंद जी राठौड जी, आशीष जी मंत्री , जितेन्द्र जी राव , सुरेश जी बोराना सर मंचासीन थे अतिथियों द्वारा प्रतियोगिता संपन्न करवाने वाले निर्णायक हेड जज सैयद आफताब आलम सेन्टर रिफेरी धवल कुमावत कोनर जज यश हीवे , सोनू मेघवाल , कृष्णा गडिया, तुलसी बैरागी, संदीप आर्य, आसमा बी दिव्यांश सोलंकी, दीपेश गहलोत, तुषार गुर्जर, आरती आर्य सभी निर्णायक को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया अतिथियों का स्वागत सैयद आफताब आलम , सुनील हीवे, अशोक माली, कमलेश जी डोसी, शाहिद जी हुसैन, यशवंत सिंह राठौर, दुर्गेश बेलानी द्वारा किया गया कार्यक्रम का संचालन मिक्स मार्शल आर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष संचालक गगन कुरील ने किया एवं आभार टेक्निकल डायरेक्टर सैयद आफताब आलम ने माना।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 152 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टरर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए 152 आवेदकों की सुनी समस्याएं और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, संयुक्त कलेक्टर डॉ.ममता खेडे, श्री राजेश शाह, एसडीएम श्री संजीव साहू, सभी डिप्टी कलेक्टर्स एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में कलेक्टर श्री चंद्रा ने धनेरिया कलां निवासी कनीराम एवं मुकेश के आवेदन पर अवैध कब्जा करने का प्रयास करने वालों, डराने, धमकाने वालों और जबरन कब्जा करने के प्रयास करने वालों के विरूद्ध पटवारी को तत्काल मौके पर भेजकर कार्यवाही करने के निर्देश एसडीएम नीमच को दिए। ग्राम बरकटी के हीरालाल मीणा के आवेदन पर कलेक्टर ने हीरालाल की जमीन बिक्री की कीमत(राशि) प्रदान नहीं करने एवं राशि मांगने पर अभद्र व्यवहार करने वालों के विरूद्ध जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश तहसीलदार जीरन को दिए। जनसुनवाई में लसुडीआंत्री के नरेन्द्र , भरभडिया के बापूलाल, बालुराम, चेनराम, बघाना के

वीरेन्द्र कुमार, एकता कॉलोनी नीमच की दुलाशीबाई, तारापुर की शकीला बानु, बरखेडाहाडा के दशरथ, कराडिया महाराज के रमेश गीर, भगवानपुरा नीमच सिटी के नाजबीन, जीरन के ओमप्रकाश पाटीदार, के शरपुरा के नंदलाल, खुशालपुरा के कारूलाल गुर्जर, हुडको कॉलोनी नीमच के नवीन जैन, जमुनिया खुर्द के भेरूलाल खारोल, धनेरियाकलां के चिरंजीवी नागदा, नलखेडा के जगदीशचंद्र, गरीब मोहल्ला नीमच की मुलीबाई, मानपुरा के राधेश्याम धाकड आदि ने अपनी समस्याओं से संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए। इसी तरह बराडा की रूकमणबाई, जीरन के नरेन्द्र कुमार, कंजार्ड की नोजीबाई, बांगरेड के मुकेश बंजारा, दलपतपुरा के डाडमचंद्र, मालखेडा की मोहनीबाई, अघोरिया के कचरूलाल, बर्डियाजागीर के देवकिशन, जमुनिया कलां की सुनीता मालवीय, लेवडा के विरेन्द्र सिह, कंवरलाल, प्रहलाद, मूलचंद, हरवार के मनोहरलाल, रेवली देवली के प्रभुदास, धामनिया के अशोक कुमार, सरवानिया महाराज के युसुफ एजाज मोहम्मद, कनावटी के मन्नालाल लोहार आदि ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए। जिस पर कलेक्टर ने आवेदनों का निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

गायत्री परिवार द्वारा हर्बल गार्डन में किया श्रमदान

मंदसौर, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। गायत्री परिवार द्वारा नगर में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। गार्डन की साफ सफाई, पेड़ों की छटाई का कार्य भी समय-समय पर कॉलोनियों में जाकर किया जा रहा है। मिशन 2026 के अंतर्गत जो पार्क विरान पड़े है उन सभी पाक में सफाई व पेड लगाने का अभियान चलाया जायेगा। सभी पार्क में गायत्री परिवार के साथ मिलकर धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाएं जन सहयोग कर कार्य कर सकती है। इस संबंध में गायत्री परिवार कार्यालय में लिखित में दे सकते है। जिन कॉलोनियों के पार्क की सफाई करना है वे भी लिखित में दे जिससे वहां सफाई अभियान चलाकर पार्क की सुंदरता को बढाया जा सके। शासन प्रशासन भी इस कार्य में सहयोग प्रदान करें।

आज मनाया जाएगा वीरांगना महारानी लक्ष्मी बाई का बलिदान दिवस

मंदसौर, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। देश के महान क्रांतिकारी आजादी के महानायकों के बलिदान दिवस एवं उनकी स्मृतियों को चिरस्थाई बनाए रखने के लिए संकल्पित 15 वर्षों से कार्यरत देश का पहला संगठन दशपुर जागृति संगठन द्वारा आज प्रात: 18 जून को प्रात: 9 बजे प्रतिमा स्थल महारानी लक्ष्मीबाई चौराहे पर मातृभूमि की शपथ एवं महिला सशक्तिकरण की शपथ के साथ कार्यक्रम को आयोजित किया जाएगा। माल्यार्पण के साथ कार्यक्रम में संगठन के सभी पदाधिकारी ड्रेस कोड में पहुंचेंगे।

इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए प्रतिमा संरक्षक रविंद्र पांडे द्वारा बताया गया बहुत तेजी से देश के अंदर मातृशक्ति को उनके अधिकार दिए जा रहे हैं। आज हर क्षेत्र में मातृशक्ति अपना स्थान रोजगार से लेकर वायुयान उड़ाने तक का कार्य बड़ी मुस्तैदी के साथ संभाल रही है। इस कार्यक्रम में श्री जी नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं, ब्रह्माकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय की बहने भी शिरकत करेंगी। कार्यक्रम को भव्य बनाने हेतु संगठन के अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र पुराणिक, कार्यकारी अध्यक्ष हरिशंकर शर्मा, उपाध्यक्ष बी एस सिसोदिया, कोषाध्यक्ष आरसी पांडे, सहकोषाध्यक्ष अरुण गौड ने आवाहन किया है कि कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति सभी देशभक्त नागरिक दर्ज कराकर कार्यक्रम को भव्य बनाएं। कार्यक्रम 18 जून को प्रात: 9 बजे प्रतिमा स्थल महारानी लक्ष्मीबाई संजीत रोड पर आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम पूर्ण देशभक्ति पूर्ण है इसमें सभी पार्टी एवं संगठन को आमंत्रित किया गया है। यह जानकारी संगठन के मीडिया प्रभारी जयंत भावसार द्वारा दी गई।

शिवना नदी जितनी साफ और सुंदर दिख रही है उसमें आमजन का बहुत बड़ा योगदान-विधायक

मंदसौर, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। विधायक श्री विपिन जैन के आव्हान पर चल रहे शिवना शुद्धिकरण का अभियान 48 वें दिन भी जारी रहा। सुबह 7:00 से 9:00 बजे के बीच रोजाना दो घंटा चलने वाले श्रमदान में सुबह से ही श्रमदानी शिवना नदी किनारे पहुंचे और पूर्व में लगाए गए बांस, अर्जुन, आम, जामुन व रंग-बिरंगे फूलों के पौधों को पानी पिलाया व आसपास लगी झाड़िया साफ़ की। वही नए पौधे का रोपण भी किया गया।

विधायक श्री विपिन जैन ने कहा कि हम सबका दायित्व हे कि शिवना नदी साफ,सुंदर,और प्रदूषण मुक्त हो पर हमें निरंतर श्रमदान के रूप में नदी पर कार्य करना होगा। श्री जैन ने आगे कहा कि अभी तक शिवना नदी तट पर जितना काम हुआ है उसमें सभी श्रमदानियों का बहुत बड़ा योगदान रहा है मुझे उम्मीद है कि आमजन के सहयोग से यह कार्य निरंतर चलता रहेगा। शिवना शुद्धिकरण के 48 वें दिन मंगलवार को श्रमदान करने वालों में विधायक विपिन जैन, समाजसेवी रामचन्द्र मालवीय पूर्व टीआई, राकेश जैन पिंटू, बी एल बामनिया, विजय आनंद, घनश्याम भावसार, रमेश सोनी ,नमन पालीवाल, नांदवेल गांव से नागेश्वर कुमावत,गांव अमलावद से कैलाश कुमावत, रमेश धनगर, , महिला नेत्रीयो मे अनिता भदोरिया, प्रमिला पंवार, वर्षा धोसरिया, गीताली पोरवाल,दीपाली पोरवाल, प्रांजल जेन,भगवती बामनिया कांग्रेस जन मे सर्वश्री तरूण खिंची, विकास दशोरा, राजनारायण लाड,रमेश सिंगार, विश्वास दुबे,भूवनेश्वर माली,अजय सोनी, मनोहर नाहटा,सादिक गौरी,राकेश सेन,आमिन खान,राजेश चौधरी, गणपत कुमावत ,नितनेस बसेर, गोपाल बंजारा,राजाभाई,मनोहर रत्नावत, सोहनलाल धाकड, अशोक राव,अकरम खान,ऋषिराज लाड,आरवी दशोरा गुरु, आदि उपस्थित थे।

यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाया जाये-ग्राहक पंचायत

मंदसौर, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। विगत कुछ महीनों से शहर में यातायात की स्तिथि बड़ी ख़राब हो चुकी है। मुख्य बाजार में दिन में कई बार ट्रैफ़िक जाम लग जाता है, यहाँ से आवागमन करना दिन में बड़ा मुश्किल होता है। दिन में शहर के अंदर भारी वाहन घूमते है जिससे दुर्घटना व ट्रैफ़िक जाम की स्तिथि बनी रहती है। मुख्य मार्गो पर ठेला गाडी भी सडक के बीचो बिच खडी रहती है, जिससे ट्रैफ़िक जाम होता है। जिससे पब्लिक और संबंधित क्षेत्र के व्यापारी भी परेशान होते है।

जिन क्षेत्र में अक्सर जाम की स्तिथि बनती है वह सदर बाजार, कालिदास मार्ग, बस स्टेण्ड से गाँधी चौराहा जाने वाला मार्ग, गाँधी चौराहा और यहां से इश्रि चौराहा जाने का मार्ग, इश्रि चौराहे से गोल चौराहे, मुनीम जी की तरफ जाने वाला रास्ता व गोल चौराहा से नयापुरा जाने वाले रास्ते पर गाड़िया व ठेले बिच सड़क पर खड़े रहते है जिससे आवागमन का मार्ग छोटा हो जाता है जिससे वहां से निकलने में काफ़ी कठिनाई होती है। वही मॉडर्न पेट्रोल पंप वाले तिराहे की बात करें तो वहाँ भी बसें सड़क के बीचो बिच खड़ी हो जाती है जिससे जाम लग जाता है। इस प्रकार की समस्या को लेकर आज ग्राहक पंचायत ने नगर पालिका अध्यक्ष रमा देवी गुर्जर को ज्ञापन दिया और मांग रखी की ट्रैफ़िक की समस्या का स्थायी समाधान करें व शहर में पार्किंग एरिया भी बनाया जाये। जिससे पब्लिक को ट्रैफ़िक जाम से छुटकारा मील सके। ज्ञापन देते समय ग्राहक पंचायत के प्रांत सह सचिव नवनीत शर्मा, जिला अध्यक्ष विजय कोठारी, जिला सचिव आशीष भाटिया, उमराव सिंह जैन, रंजीत जायसवाल, विजय परदेशी, सुनील ठाकुर, जितेंद्र हरवानी, विनोद वाघेला, शफीउल्ला खान, अश्विन सेन सहित आदि उपस्थित थे।

बीसवीं शताब्दी के जायसी थे प्रो.हाशमी-डा. खिमेसरा

साहित्य एवं मीडिया परिवार ने मंदसौर में प्रो. अजहर हाशमी को श्रद्धांजलि अर्पित की

मंदसौर, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रो. अजहर हाशमी जी का जीवन साहित्य के सूफी संत की तरह बीता। वे जो लिखते थे, जो बोलते थे उन शब्दों को सबसे पहले अपने जीवन में आत्मसात करते थे। मैं दावे से कह सकता हूँ कि वे 20 वीं शताब्दी के जायसी थे। यह बात प्रसिद्ध साहित्यकार मंदसौर महाविद्यालय से सेवा निवृत्त प्राचार्य डॉ. ज्ञानचंद खिमेसरा ने कही। वे 16 जून को मंदसौर के साहित्य एवं मीडिया परिवार द्वारा नपा सभा कक्ष में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बोल रहे थे डॉ. खिमेसरा ने कहा कि प्रो. अजहर हाशमी जी उनके 50 वर्ष पुराने मित्र थे वे सामाजिक समरसता के प्रतीक थे।

इस अवसर पर वैज्ञानिक नरेन्द्र सिपानी ने कहा कि अजहर हाशमी जी साहित्य के साथ ज्योतिष विद्या के महान ज्ञाता थे। हाशमी जी साहित्य जगत में हमेशा याद आते रहेंगे। संघ के वरिष्ठ गुरूचरण बग्गा ने कहा कि प्रो. हाशमी देश के उच्च कोटि के साहित्यकार थे। सभी धर्मग्रंथों के ज्ञाता थे वे सर्वधर्म के संवाहक थे। वरिष्ठ पत्रकार महावीर अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि वे विद्वान ज्ञाता थे साहित्य जगत में श्री हाशमी के सेवाएं हमेशा याद की जावेगी। मंदसौर महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य रविन्द्र सोहोनी ने कहा हम लोगों के घर में किताबें रहती है लेकिन प्रो. अजहर हाशमी जी किताबों के घर में रहते थे। वरिष्ठपुरातत्व विद डॉ. कैलाश पाण्डे ने इस अवसर पर ग्राम रूनिजा में प्रो. अजहर हाशमी के साथ बिताये जीवन को याद किया। उन्होंने कहा कि प्रो. हाशमी की वाणी सर्वधर्म का उद्घोष करने वाली थे तथा राष्ट्रीय एकता से परिपुष्ट करने वाला लेखन था। वरिष्ठ पत्रकार डॉ. घनश्याम बटवाल ने कहा कि वे ज्ञान के समन्दर थे, संस्कृति के पोषक व रक्षक थे। उनका गीत मुझको राम वाला हिन्दुस्तान चाहिए जन-जन तक पहुंचा है। वरिष्ठपत्रकार ब्रजेश जोशी ने कहा कि प्रो. हाशमी को साहित्यिक एनसाइक्लोपीडिया कहें तो भी कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। धर्म से मुस्लिम किन्तु उनके अंदर का जो रचनाकार था वह पुरी तरह निरपेक्ष निरापद था। कुरान की आयतों की तरह उन्हें श्रीमद भागवत व गीता के श्लोक कंठस्थ थे। वरिष्ठपत्रकार कोमल सिंह तोमर ने कहा कि उनका परिचय प्रो. हाशमी से 90 के दशक से था वे सरकार और व्यवस्था के खिलाफ खुलकर लिखते थे। वे साहित्य से तो संत थे ही कर्म से भी संत थे। शिक्षाविद् रमेशचंद्र चन्द्रे ने कहा सरस्वती जी प्रो. हाशमी पर मेहरबान थी वे महान साहित्यकार थे आयोजनों में सर्वाधिक तालियां उनके विचारों को ही मिलती थी। सेवा निवृत्त प्राचार्य डॉ. बी.आर. नलवाया ने कहा कि 1985 में बड़वाह के आयोजन में उनकी मुलाकात प्रो. हाशमी से हुई थी वे न केवल वेद उपनिषद् सभी धर्म ग्रंथों पर साधिकार बोलते थे। वरिष्ठ पत्रकार डॉ. प्रीतिपालसिंह राणा ने कहा कि वे महान विद्वान थे उनके व्याख्यान से पूरा सदन उनसे जुड जाता था इस अवसर पर डॉ. राणा ने प्रो. हाशमी के गीत और मुक्तक भी सुनाए। सेवानिवृत्त इंजीनियर सुनील व्यास ने कहा कि उनका विराट व्यक्तित्व था जिसमें सभी धर्म समाहित थे। साहित्यकार असद अंसारी ने कहा कि वे इंसानियत का पैगाम थे इस मौके पर उन्होंने स्वरचित कविता भी सुनाई। युवा भाजपा नेता राजेश गुर्जर ने कहा कि प्रो. हाशमी का जीवन सरल, सहज था उनके बारे में जितना कहा जाए कम है। साहित्यकार नरेन्द्र भावसार ने कहा कि साहित्यकार कही नहीं जाते इतिहास में अजहर हाशमी जी की राम वाला हिन्दुस्तान चाहिये गीत का अपना मुकाम हमेशा रहेगा। साहित्यकार लाल बहादुर श्रीवास्तव, नरेन्द्र त्रिवेदी ने प्रो. हाशमी के निधन को साहित्य जगत की बड़ी क्षति बताते हुए काव्य पाठ किया। इस अवसर पर कवि नंदकिशोर राठौर, पत्रकार शाहिद चौधरी, युवा पत्रकार अजय बडोलिया, समाजसेवी अजीजउल्लाह खान, युवा कवि हरीश दवे, कर्मचारी नेता डॉ. अशोक शर्मा, सत्येंद्रसिंह सोम ,सतीश नागर, दिलीप जोशी, सुरेश भावसार, हरिशंकर शर्मा, महेश त्रिवेदी, डॉ. देवेन्द्र पौराणिक, संजय भाटी, राजेश पाठक, सचिन पारिख, प्रकाश कल्याणी, हरिओम गंधर्व, लोकेश सामयानी अब्दुलबासित ने प्रो. हाशमी के विराट व्यक्ति को नमन करते हुए श्रद्धांजली अर्पित की। आयोजन का संचालन पत्रकार गायत्री प्रसाद शर्मा ने किया। आभार पत्रकार अब्दुल वाहिद रईस ने माना।

मंदसौर जिले से रहा विशेष नाता- प्रो. हाशमी का मंदसौर जिले से विशेष नाता रहा है मंदसौर जिले के ग्राम रूनीजा में उनके मामा डॉ. हाफिज अब्दुल हई के यहां उनका बचपन बीता, आगर में प्रो. रहते हुए भी प्रोफेसर अजहर हाशमी का रूनिजा आना जाना रहता था। मंदसौर जिले के सुवासरा, धुंधडक़ा, पिपलिया व मंदसौर में उनके समय-समय पर व्याख्यान होते रहे। इस अवसर पर प्रो. अजहर हाशमी तथा अहमदाबाद विमान हादसे में मृतजनों को सभी उपस्थितजनों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

वध हेतु गौवंश का परिवहन करने वाले 02 आरोपियों को 03-03 वर्ष का सश्रम कारावास

नीमच, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। श्रीमान रवि कुमार बौरासी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, नीमच द्वारा वध हेतु गौवंश का अवैध परिवहन करने वाले 02 आरोपीगण (1) मोहम्मद खलीक पिता मोहम्मद सलीम कुरैशी, उम्र-28 वर्ष, निवासी-बिहारगंज, नीमच तथा (2) सद्दाम कुरैशी पिता नवाब कुरैशी, निवासी-पिपली चौक, जिला नीमच को धारा 4/9 मध्यप्रदेश गौवंश प्रतिषेध अधिनियम, 2004 के अंतर्गत 03 वर्ष का कठोर कारावास व 5000 रूपये का अर्थदण्ड, धारा 6/9 मध्यप्रदेश गौवंश प्रतिषेध अधिनियम, 2004 के अंतर्गत 01 वर्ष का कठोर कारावास व 5000 रूपये का अर्थदण्ड, धारा 6(ख)(2) मध्यप्रदेश कृषि पशु परिरक्षण अधिनियम, 1959 के अंतर्गत 01 वर्ष का कठोर कारावास व 1000 रूपये का अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाले एडीपीओं श्री रितेश कुमार सोमपुरा द्वारा घटना की जानकारी देते हुए बताया कि घटना लगभग 07 वर्ष पूर्व की होकर दिनांक 03.03.2018 को शाम के लगभग 6:30 बजे मंदसौर-नीमच फोरलाईन स्थित सगराम पुलिया की हैं। थाना जीरन में पदस्थ उपनिरीक्षक पन्नालाल दायमा को आरक्षक विकास और आरक्षक राजेन्द्रसिंह ने फोन लगाकर बताया कि सगराम पुलिया पर एक पिकअप वाहन जिसका पिछला पहिया निकल जाने से क्षतिग्रस्त अवस्था में वाहन खडा हैं, जिसमें ठूंस-ठूंस कर 06 केडे भरे हुए हैं, जिन्हे वध हेत महाराष्ट्र ले जाया जा रहा था। मौके पर आमजन ने वाहन चालक और उसके साथ बैठे व्यक्ति को पकड रखा हैं। उपनिरीक्षक पन्नालाल दायमा द्वारा मौके पर जाकर पिकअप वाहन व 06 केडो को जप्त किया गया व दोनों आरोपी मोहम्मद रफीक एवं सद्दाम को गिरफ्तार किया गया तथा अपराध पंजीबद्ध करके विवेचना की गई। दोनों आरोपियों के पास केडों को परिवहन का कोई वैध परमिट या वैध लाईसेंस नहीं होना पाया गया। आरोपीगण ने पूछताछ में पिकअप वाहन का स्वामी मोहम्मद खलीक होना पाया गया, जिसे प्रकरण में आरोपी बनाकर गिरफ्तार किया जाकर एवं आवश्यक अनुसंधान उपरांत अभियोग पत्र नीमच न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में विचारण के दौरान आरोपी रफीक के फरार हो जाने से आरोपी मोहम्मद खलीक एवं सद्दाम के संबंध में निर्णय पारित किया गया। विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से न्यायालय में पंचसाक्षी एवं विवेचक सहित सभी महत्वपूर्ण गवाहों के बयान कराकर अपराध को संदेह से परे प्रमाणित कराते हुवे आरोपीगण को कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया, जिस पर से माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी श्री रितेश कुमार सोमपुरा, एडीपीओ द्वारा की गई।

कालिदास प्रसंग का दो दिवसीय आयोजन 26 से

संस्कृत श्लोक पाठ, भाषण प्रतियोगिता, परिचर्चा, प्रदर्शनी और सांस्कृतिक आयोजन होंगे

मंदसौर, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। म. प्र. शासन के संस्कृति विभाग तथा कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन के तत्वावधान में जिला प्रशासन मंदसौर के सहयोग से दो दिवसीय कालिदास प्रसंग का आयोजन आगामी 26- 27 जून को नगर के कॉलेज परिसर स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित होने जा रहा है।

यह जानकारी देते हुए कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन के निदेशक डॉ. गोविंद गंधे ने बताया कि दो दिवसीय आयोजनों में इस बार नवाचार किये जा रहे हैं 26 जून को प्रात: 8:00 बजे भगवान श्री पशुपतिनाथ मंदिर से एक कलश की पूजा कर कलश को महावीर मार्ग तिराहा से एक चल समारोह के रूप में कार्यक्रम स्थल पर स्थापित किया जाएगा। तदुपरांत माननीय अतिथियों की मौजूदगी में कालिदास प्रसंग का शुभारंभ होगा। जिसमें कालिदास साहित्य एवं मंदसौर नगर के इतिहास पुरातत्व ओर अन्य विषयों पर केंद्रित सामग्रियों कलाकृति व चित्रों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया जाएगा।इसी समारोह में कालिदास प्रसंग के निमित्त विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तरीय संस्कृत श्लोक पाठ एवं भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिताओं में चयन हेतु 21 जून शनिवार को दोपहर 12:30 बजे उत्कृष्ट विद्यालय के सभागार में प्रतिभागियों की प्रस्तुति होगी जिनके आधार पर निर्णायक गण माध्यमिक उच्चतर माध्यमिक और महाविद्यालय स्तर पर तीन-तीन प्रतिभागियों का चयन करेंगे जिन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही 10-10 प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिए जाएंगे और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। विद्यालय स्तर की प्रतियोगिताओं के प्रभारी श्रीमती अर्चना दवे और महेश कुमार त्रिवेदी और महाविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता प्रभारी प्रो. अनिल कुमार आर्य होंगे। श्री गंधे ने जिले के रचनाधर्मी एवं कला से जुड़े महानुभावों से आह्वान किया है कि वे प्रदर्शनी में मंदसौर के इतिहास और पूरा तत्व अथवा कोई भी कलात्मक कृति जो उनके पास संग्रहित है या निर्मित की गई है उसे प्रस्तुत कर सकते हैं इस हेतु स्थानीय संयोजक ब्रजेश जोशी (9425107356) संरक्षक डॉ. घनश्याम बटवाल (9425105959) और संस्कार भारती के संयोजक कन्हैया देशमुख(9425107346)से संपर्क किया जा सकता है। यह जानकारी स्थानीय संयोजक ब्रजेश जोशी और संरक्षक डॉ. घनश्याम बटवाल ने दी है।

तन से ज्यादा घातक मन के रोग-कुमठ

पिपलियामंडी, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। जीवन में हर कोई तनाव, अवसाद से घिरा है और ये ही रोग को जन्म देते है। तन से ज्यादा घातक मन के रोग है। निरोग रहने का सर्वश्रेष्ठमार्ग है योग है।। नियमित योग मानसिक और शारीरिक शांति में एक उत्प्रेरक का कार्य करते है। उक्त आरोग्य भारती के जिलाध्यक्ष अशोक कुमठ ने सशिमं में योग सप्ताह के शुभारंभ पर कही। कुमठ ने कहा आपाधापी, दौड-भाग वाली जिन्दगी में हर कोई चेन के लिए बेचेन है। इसकी सर्वश्रेष्ठदवाई योग है। भारत की योग विधा को संपूर्ण विश्व ने माना है। भारत विश्व योग गुरु था, है और रहेगा। शरीर का सबसे शक्तिशाली शस्त्र है मस्तिष्का वैज्ञानिक शोध बताते है, प्रतिदिन दिमाग में साठ हजार से ज्यादा विचार आते है। योग से मन की शक्ति बढती है। जो हमें स्वस्थ उर्जावान शरीर देती है। साथ ही नकारात्मक विचारों से मुक्ति मिलती है। आरोग्य भारती जिला महिला प्रमुख श्रीमती बन्टू भूत ने बताया विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में आरोग्य भारती व आदर्श शिक्षण समिति के तत्वावधान में योग सप्ताह मनाया जा रहा है।

योग दिवस 21 जून पर विशेष...

योग से शरीर के सारे रोग धुल जायेंगे

मनासा, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। हर साल 21 जून को योग दिवस के रूप में मनाया जाता है लेकिन हमें योग को केवल एक दिन तक सीमित नहीं रखना चाहिए योग को रोजमर्रा की जिंदगी में 365 दिन उत्सव की तरह मनाना चाहिए। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग एक ऐसा माध्यम है जिसे हर उम्र की महिला पुरुष व बच्चे कर सकते हैं। परंतु हमें विशेष ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी योग्य प्रक्षिशक के निर्देशन में योग करना चाहिए। प्रतिदिन योग करने से हमारा सम्पूर्ण स्नायु तंत्र (नर्वस सिस्टम) प्रभावित होता है। तथा हमारे पाचनतंत्र, श्वसनतंत्र को लाभ मिलता है। योग से हमारी रीढ़ लचीली होती है तथा मांसपेशियां व सभी जोड़ पुष्ट होते हैं तथा भीतरी अवयंगो की भी क्षमता बढती है। प्रतिदिन योग एक सकारात्मक सोच के साथ दिनभर कार्य करने की उर्जा देता है तथा रात्री को सुकून की नींद। योग से हमारी शारीरिक ही नहीं वरन् मानसिक व अध्यात्मिक शक्तियों का भी विकास होता है।

प्रतिदिन एक घंटा योग के लिए समय निकालनें पर भविष्य में हमें चिकत्सकों से समय नहीं लेना पडेगा। अंत में योग पर चार पंक्तियां-

योग करो योग, योग से शरीर के सारे रोग धुल जायेंगे। अलोम विलोम से ब्लाकेज हार्ट के खुल जायेंगें । भ्रत्सिका से पेट व फैंफडो के रोग भाग जायेंगे। कपालभाती से मोटे तगडे भी लाइटवेट हो जायेंगे। योग करो योग... योग से बुढे भी जवान हो जायेंगे।

राजेन्द्र गुलाटी (योग प्रक्षिशक) मनासा

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	28	2100	2238
उडद	10	5000	6600
सोयाबीन	5270	4000	4352
गैहु	9278	23220	2740
चना	312	4608	5439
मसुर	91	5980	6361
धनिया	143	5200	7301
लहसुन	15500	2500	7000
मैथी	855	3301	5101
मुंगफली	1363	4350	5460
अलसी	1454	6800	7380
सरसो	269	6000	6404
तारामीरा	3	4800	5130
इसबगोल	67	8180	11400
प्याज	3292	300	1100
कलोंजी	32	13000	20600
तुलसी बीज	10	8001	13601
डॉलर	84	5353	7900
तिल्ली	232	7100	8300
जौ	10	2110	2220
मटरसुखी	1	2912	2912
असालीया	125	5000	6100
चियाबीज	49	9201	14401

नि:स्वार्थ प्रेम करने वाले होते है पिता...

मंदसौर, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। मदर्स डे और फादर्स डे भारतीय संस्कृति के लिए सर्वदा अनुपयुक्त हे। हमारे लिए माता पिता का सम्मान करने के लिए किसी विशेष दिन की आवश्यकता नही हे। यह पश्चिमी देशो के लिए प्रासंगिक हे। हमारे देश में माता पिता का स्थान बहुत बडा हे जिसे समझने के लिए भारत के इतिहास, संस्कार और संस्कृति को समझना होगा। बच्चे का जन्म मां के गर्भ से होता हे किंतु पिता की आत्मा से होता हे। मां यदि धरती हे तो पिता हे आकाश, मां आशा हे तो पिता हे विश्वास। विश्वास के बिना आशा फलीभूत नही होती और आशा के बिना विश्वास अपूर्ण हे। बच्चो के लालन पालन, पोषण और विकास के हर मोर्चे पर पिता की भूमिका महत्वपूर्ण होती हे। ईश्वर के रूप में कोई हमारे साथ हे तो वह पिता ही हे। हमारे जीवन को दिशा देने वाले पिता के सम्मान और योगदान का स्मरण करने के लिए एक दिन तो क्या एक सदी भी कम पढ जाए। दुनिया में एक पिता ही होता हे जो चाहता हे उसके बच्चे किसी भी क्षेत्र में उससे भी अधिक सफल हो। पिता में यह महानता होती हे कि वह बच्चो के सपने पूरे करने के लिए अपनी व्यक्तिगत आवश्यकताओ को भी दांव पर लगा देता हे। बच्चो के लिए पिता एक अच्छे मित्र की भूमिका भी निभाता हे। इस दुनिया में केवल माता पिता ही ऐसे होते हे जिनका प्रेम निस्वार्थ होता हे। पिता परिवार का ऐसा वटवृक्ष होता हे जिसकी शीतल छांव में पूरा परिवार सुख से रहता हे। वर्तमान समय में आधुनिकता का दंभ भरने वाली पीढी में विवाह के बाद युवक अपने निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए माता पिता की सेवा तो दूर उनकी उपेक्षा करना प्रारम्भ कर देते हे। इससे बढकर कोई पाप नही हे। हम जीवन में जितनी भी उंचाई पर पहुंचे सफलता प्राप्त कर ले हमे कभी भी अपने माता पिता के सहयोग, त्याग और बलिदान को भूलना नही चाहिए। हमारी खुशियों व उन्नति के पीछे हमारे माता पिता की अनगिनत खुशियों का परित्याग निहित होता हे। इसलिए हमारा प्रथम कर्तव्य बनता हे कि हम उन्हें पूरा सम्मान दे क्योंकि यदि पूरी दुनिया जीतकर भी यदि माता पिता का दिल नही जीता तो वह जीत हार के समान हे। पिता को दुनिया की ऐसी प्रथम पाठशाला की संज्ञा दी जा सकती हे जिनकी सीख अन्यत्र मिलना असंभव हे। पिता परिवार के लिए रोटी, कपडा और मकान की व्यवस्था में दिन रात तिल तिल जलता हे, खपता हे और जीवन होम कर देने वाला व्यक्तित्व ही नही बल्कि पिता उस परमात्मा की जगत के प्रति आसक्ति भी हे जो गृहस्थ आश्रम की उच्च स्थिति वाली भक्ति का प्रमाण प्रस्तुत करता हे। मनुष्य के सिर पर अगर पिता का सुरक्षा रूपी और उनके आशीर्वाद रूपी हाथ हे तो कैसा भी संकट कुछ बिगाड नही सकता। पिता ऐसे माली हे जो अपनी परिवार रूपी बगिया के सुख हेतु अपना सबकुछ समर्पित कर के भी परिवार को पहले पायदान पर रखते हे। अनुशासन प्रशासन का यह ज्ञान दुनिया की किसी किताब से प्राप्त नही हो सकता जो पिता की पाठशाला से बच्चो को मिलता हे। किसी कवि द्वारा लिखी गई दो पंक्तियां बडी प्रासंगिक हे कि अनुभवो की पाठशाला में युवा होकर, हम पिता का दर्द समझे हे पिता होकर...।

गौरव सोनी, मंदसौर

पत्र संपादक के नाम
संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

राम भक्ति से राष्ट्र भक्ति कम नहीं है-भीमाशंकरजी

मंदसौर, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। श्री सांवलिया गौशाला कुंचडौद में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा षष्ठ दिवस कथा प्रवचन में व्यासपीठ पर विराजित पूज्यनीय पं. भीमाशंकरजी शास्त्री ने भगवान बालकृष्ण द्वारा भाटी (ब्रज रज) खाने के प्रसंग में कहां कि जहां ब्रज के राजा नंदबाबा के यहां 9 लाख गाये होकर दूध दही का अपार भण्डार था वहां कृष्ण को मिट्टी खाने की आवश्यकता क्यों पडी ? कृष्ण ने अपनी जन्म-राष्ट्र भूमि की यह महिमा बताने के लिये कि जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपी गुरमिसी अर्थात जननी जन्म देने वाली मॉ और जन्म भूमि स्वर्ग से भी बढकर है। इसलिये वह हमारे लिये पूज्यनीय-वंदनीय है। हमें श्रद्धा से सर्वप्रथम अपनी मातृभूमि का सम्मान और श्रद्धा से प्राणाम कर शीश झुकाना चाहिये।

रामभक्ति से कम नहीं है राष्ट्रभक्ति- रामभक्ति के साथ ही राष्ट्र भक्ति-राष्ट्र प्रेम नहीं है तो समझो हमारी राम भक्ति अधूरी है। जो राम से प्रेम और राष्ट्र के प्रति उदासीन है उससे राम कभी खुश नहीं होंगे। राष्ट्र भक्ति का पुण्य भी उतना ही मिलता है जितना राम भक्ति करने से मिलता है।

सैनिक वेतन भोगी नहीं राष्ट्र योगी है- एक सैनिक को जो पगार मिलती है वह कभी यह नहीं सोचता की यह उसे कम मिल रही है या ज्यादा। तनख्वाह बढाने के लिये कभी सैनिकों ने हडताल रखी हो एक भी उदाहरण नहीं मिलता है। सैनिक के मन में पगार नहीं अपने राष्ट्र-अपनी मातृभूमि से प्रेम-सेवा-समर्पण-लक्ष्य होता है। चाहे खून जमाने वाली सर्दी हो या चाहे शरीर जलाने वाली भयंकर गर्मी हो अथवा मूसलाधार वर्षा हो सैनिक कोई आयरन मेन नहीं होता परन्तु इन सबकी परवाह नहीं करते हुए सीमा पर डटे सैनिक की निगाह 24 घण्टे इस ओर लगी रहती है कि दुश्मन की दृष्टि उसकी मातृभूमि की ओर उठ नहीं सके।

शहीद शब्द का उपयोग बंद हो- मातृभूमि पर मिटने वालों के लिये प्रचलन में शहीद शब्द के स्थान पर हुतात्मा, अमर बलिदानी, वीरगति प्राप्त प्रयोग होना चाहिये।

सिन्दूर ऑपरेशन- नापाक पाकिस्तान ने आतंक के सहारे जिन मॉ बहनों का सिन्दूर मिटाया, हमारे वीर जवान-सैनिकों ने नराधमों को बता दिया कि सिन्दूर क्या होता है। काश 2 दिन और सिन्दूर ऑपरेशन जारी रहा होता तो निश्चित ही पाकिस्तान का नाम नक्शे से विलुप्त हो जाता।

सैनिक माता-पिता का हुआ सम्मान- गांव के जो युवा सेना में भर्ती है। कथा में उपस्थित उनके माता-पिता अन्य परिजनों का व्यास पीठ से सम्मान कराया गया।

युवाओं ने रक्तदान कर लिया संकल्प- जो सैनिक घायल हो जाते है। उनके लिये कम से कम 1000 यूनिट रक्त के लिये व्यासपीठ से आव्हान होने पर 18 से 50 साल तक के युवाओं एवं अन्य ने रजिस्ट्रेशन कराया। रक्तदान करने से कमजोरी नहीं बल्कि कभी दिल की, कोलेस्ट्रोल आदि की समस्या नहीं होती।

कथा का उद्देश्य समाज में बदलाव होना- जिस कथा से समाज में परिवर्तन नहीं होता वह कथा नहीं व्यथा है। पत्रकार-कथाकार और कलाकार सत्यम शिवम सुंदरम के प्रतीक है।

ललाट पर तिलक अवश्य होना चाहिये- जिस प्रकार जो शादीशुदा माताएं बहने सिर पर सिन्दूर नहीं भरती वे विधवाएं-अभागन समझी जाती है इसी प्रकार जो सनातनी धर्मी हिन्दू अपने ललाट पर तिलक नहीं लगाता है वह अभागा कहा जायेगा। कहा है जिसका करम (ललाट) सूना उसका किस्मत सूना।

दाढी जेहाद से युवकों को बचना चाहिए- आजकल युवाओं में जो आधी दाढी-सिर पर आधे बाल रखना और मूंछे नीचे की ओर रखना यह अपसंस्कृति है। चेहरे पर या तो दाढी पूरी होना चाहिये। छत्रपति शिवाजी जैसे वीरों जैसी या फिर पूरी साफ होना चाहिए। सिर पर से आधे बाल कटवाना और आधे रखना उचित स्वरूप नहीं है। इसी प्रकार मूंछे नीचे की ओर नहीं बल्कि महाराणा प्रताप की तरह तनी हुई उंची होना चाहिये। कथा प्रसंग में भगवान गिरीराज को 56 भोग का नैवेद्य लगाया। कथा में भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित, पूर्व मण्डल अध्यक्ष जीवन शर्मा, धुंधडका मण्डल अध्यक्ष राजेश धाकड, मण्डल महामंत्री पुष्कर बैरागी, पुलकित पटवा आदि ने गुरूजी का वंदन कर आशीर्वाद लिया। आयोजन समिति द्वारा अतिथियों का दुपट्टा धारण कराकर सम्मान किया। संचालन गोपाल गुजरिया ने किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद का निर्णय...

459 नवीन आंगनवाड़ी केन्द्रों की स्थापना, संचालन एवं भवन निर्माण के लिए 143 करोड़ 46 लाख रूपये की स्वीकृति

नीमच, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 का अनुमोदन किया गया है। अनुमोदन अनुसार आरक्षित वर्गों के प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कर उनके हितों को संरक्षित किया गया है। अनुसूचित जनजाति के लिये 20% एवं अनुसूचित जाति के लिये 16% आरक्षण का प्रावधान किया गया है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लोकसेवकों को भी मेरिट के आधार पर पदोन्नति प्राप्त करने का अवसर दिया गया है।

वर्तमान वर्ष में ही आगामी वर्ष की रिक्तियों के लिए पदोन्नति समिति की बैठक कर चयन सूची बनाये जाने का प्रावधान किया गया है, अर्थात अग्रिम डी.पी.सी. के प्रावधान किये गये है। पदोन्नति के सूत्र में वरिष्ठता का पर्याप्त ध्यान रखा गया है। वरिष्ठलोक सेवकों में से मेरिट के अनुसार न्यूनतम अंक लाने वाले लोक सेवक पदोन्नति के लिए पात्र होंगे, प्रथम श्रेणी के लोक सेवकों के लिए merit cum seniority का प्रावधान किया गया है। पदोन्नति के सूत्र में कार्यदक्षता को प्रोत्साहित किया जाना लक्षित है, पदोन्नति के लिए अपात्रता का स्पष्ट निर्धारण किया गया है। किन परिस्थितियों में कोई लोक सेवक अपात्र होगा एवं दण्ड का क्या प्रभाव होगा यह स्पष्टरूप से लेख किया गया है। किसी भी विभागीय पदोन्नति समिति बैठक के सन्दर्भ में निर्णय के पुनर्विलोकन के लिए रिव्यू डी.पी.सी. की बैठक आयोजित किये जाने के लिये स्पष्ट प्रावधान किये गये है। नवीन पदोन्नति नियमो में परिभ्रमण की व्यवस्था समाप्त की गई है। इससे पदोन्नति के लिए अधिक पद हो सकेंगे। पदोन्नति समिति को शासकीय सेवक की उपयुक्तता निर्धारण करने का अधिकार दिया गया है। चतुर्थ श्रेणी के लिये अंक व्यवस्था नहीं होगी, केवल पदोन्नति के लिए उपयुक्त होने पर ही पदोन्नति प्राप्त हो सकेगी। अर्हकारी सेवा के लिए किसी वर्ष में की गई आंशिक सेवा को भी पूर्ण वर्ष की सेवा माना जायेगा, यदि वर्ष के एक भाग की सेवा भी की गई है तो उसे पूर्ण वर्ष की सेवा माना जाएगा। यदि किसी वर्ष में 6 माह का ही गोपनीय प्रतिवेदन उपलब्ध है तो उसे पूर्ण वर्ष के लिये मान्य किया जा सकेगा। यदि गोपनीय प्रतिवेदन उपलब्ध नहीं होने के कारण किसी की पदोन्नति रुकती है तो उसे पदोन्नति प्राप्त होने पर पूरी वरिष्ठता दी जायेगी। अप्रत्याशित रिक्तियों को चयन सूची/प्रतीक्षा सूची से भरे जाने का स्पष्ट प्रावधान किया गया है।

प्रतिनियुक्ति पर भेजे गए शासकीय सेवक (जो आगामी वर्ष अर्थात पदोन्नति वर्ष में उपलब्ध नहीं होंगे) के पद के विरुद्ध पदोन्नति का प्रावधान किया गया है। गोपनीय प्रतिवेदनों में से यदि कोई गोपनीय प्रतिवेदन एन.आर.सी (नो रिपोर्ट सर्टिफिकेट), सक्षम स्तर से स्वीकृत अवकाश, पदग्रहण काल अथवा प्रशिक्षण के कारण है अथवा गोपनीय प्रतिवेदन में निर्धारित समय पर स्वमूल्यांकन के साक्ष्य है तो ऐसी स्थिति में गोपनीय प्रतिवेदन की अनुपलब्धता के आधार पर पदोन्नति नहीं रोकी जायेगी। विभागीय पदोन्नति समिति के बैठक से पूर्व केवल कारण बताओ सूचना पत्र के आधार पर बंद लिफाफा की कार्यवाही नहीं की जायेगी, जिससे अधिक लोक सेवकों को पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। कुल मिलाकर पदोन्नति के पद जिस दिन उपलब्ध हो उसी दिन उपयुक्त योग्य एवं आरक्षित वर्गों के प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखकर भरे जा सके इस तरह से लगभग 2 लाख नए पद निर्मित होंगे। इससे प्रशासन में सुधार एवं कार्यक्षमता बढ़ेगी।

459 नवीन आंगनवाडी केन्द्रों की स्थापना, संचालन तथा भवन निर्माण के लिए 143 करोड 46 लाख रूपये की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा 'सक्षम आंगनवाडी एवं पोषण 2.0' योजना अंतर्गत विशेष जनजाति क्षेत्रों में PM-JANMAN कार्यक्रम के लिए 459 नवीन आंगनवाडी केन्द्रों की स्थापना, संचालन तथा भवन निर्माण की स्वीकृति दी गयी। स्वीकृति अनुसार 459 नवीन आंगनवाडी केन्द्रों के संचालन के लिए आंगनवाडी कार्यकर्ता के 459 पद (मानसेवी), आंगनवाडी सहायिका के 459 पद (मानसेवी) तथा आंगनवाडी केन्द्रों के पर्यवेक्षण के लिए पर्यवेक्षक के 26 पद (नियमित शासकीय सेवक पद वेतनमान 25,300-80,500) के सृजन की स्वीकृति दी गयी है वर्ष 2025-26 से 2030-31 तक योजना पर राशि का व्यय भारत सरकार द्वारा प्राप्त स्वीकृति के अनुसार किया जायेगा। योजना पर 143 करोड 46 लाख रूपये का व्यय अनुमानित है। इसमें केन्द्रांश राशि 72 करोड 78 लाख रूपये और राज्यांश राशि 70 करोड 68 लाख रूपये होगा।

म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए 5 हजार 163 करोड रुपये का अनुमोदन- मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश की विद्युत पारेषण कंपनी द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 से 2029-30 के लिए प्रचलित/निर्माणाधीन पूंजीगत योजनाओं और अनुमानित लागत राशि 5 हजार 163 करोड रूपये का अनुमोदन दिया गया। निर्णय अनुसार म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के लिए योजना लागत राशि 5 हजार 163 करोड रुपये का अनुमोदन प्रदान किया गया। योजना के लिए 20 प्रतिशत अंशपूंजी राज्य शासन के द्वारा तथा शेष 80 प्रतिशत ऋण वित्तीय संस्थाओं/बैंकों से प्राप्त किया जाएगा। योजनान्तर्गत आगामी वर्षों में अति उच्चदाब पारेषण परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए यथा केंद्रीय पारेषण इकाई से स्वीकृत पारेषण प्रणाली सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यक निर्माण और उन्नयन कार्य के लिए 1 हजार 154 करोड रूपये, सिंहस्थ-2028 के लिए आवश्यक कार्य के लिए 185 करोड रूपये, प्रदेश में नवीन अति उच्चदाब उपकेन्द्रों का निर्माण के लिए 1 हजार 15 करोड रूपये, मुरैना संभागीय मुख्यालय और ग्वालियर शहर के उत्तरी भाग को अनवरत विद्युत आपूर्ति के लिए नवीन अति उच्चदाब लाइनों के निर्माण के लिए 54 करोड रूपये, प्रदेश में विद्यमान अति उच्चदाब ट्रांसफार्मरों की क्षमता संवर्धन/वृद्धि के लिए 1280 करोड रूपये, आरडीएसएस योजना के अंतर्गत वितरण कंपनियों के लिए 184 नग नवीन 33 केव्ही के निर्माण के लिए 81 करोड रूपये, डीपी/एफपी लाइन (डबल पोल/फोर पोल) लाइन को डीसीडीएस (डबल सर्किट डबल स्ट्रेन्ग/डबल सर्किट सिंगल स्ट्रेन्ग) टॉवर लाइन में रुपांतरण के लिए 662 करोड, अति उच्चदाब टेप लाइनों के स्थान पर लाईनों का लूप-इन लूप-आउट (एलआईएलओ) किया जाना एवं एकल स्त्रोत से प्रदायित उपकेंद्रों के लिए नई लाइनों का निर्माण के लिए 451 करोड रूपये तथा अन्य कार्य जिसमें SCADA प्रणाली का प्रतिस्थापन, 132 केव्ही द्वितीय मुख्य बस तथा 132/33 केव्ही बस कपलर का निर्माण, 33 केव्ही कैपेसिटर बैंक की स्थापना एवं अन्य कार्य) के लिए 281 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गये है।

चोरों के आगे बेबस सुवासरा पुलिस, अब तो पुलिस को मुंह चिढ़ाने लगी चोरी की वारदातें...

विधायक के घर के सामने और थाने से 100 मीटर दूर गुरुद्वारा साहिब में हजारों की चोरी

सुवासरा, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। नगर सहित क्षेत्र में आए दिन होने वाली चोरी की वारदातों से लोग परेशान है। इधर पुलिस के सुस्त रवैये के चलते इन वारदातों में अंकुश नहीं लग पा रहा है। जिसके चलते चोरों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। और वारदातें लगातार बढ़ती ही जा रही है। बीती रात भी चोरों ने नगर के गुरुद्वारा साहिब को अपना निशाना बनाया और वहां से दानपात्र जिसमें करीब 30 हजार रुपए की राशि थी, चुरा ले गए।

विधायक के घर से 10 कदम तो थाने 100 मीटर दूर हुई वारदात- रविवार सोमवार दरमियानी रात को सिख समाज के गुरुद्वारा साहिब से अज्ञात चोर दान पात्र चुरा ले गए। दान पात्र में करीब तीस हजार रुपए की राशि थी। चोरी की घटना विधायक हरदीप सिंह डंग के घर से 10 कदम की दूरी पर और थाना परिसर से 100 मीटर की दूरी पर हुई। पुलिस थाना परिसर के नजदीक हुई इस घटना ने नगर की पुलिस व्यवस्था की पोल खोल दी है। नगर में इससे पहले भी कई बड़ी चोरी और वाहन चोरी की वारदातें हुई लेकिन पुलिस ने आज तक उनका पता नही लगा पाई।जिससे चोरों के हौसले बुलंद होते जा रहे। और चोरों के आगे पुलिस बेबस नजर आ रही है।

नगर की बड़ी और चर्चित इन चोरियों का भी अब तक खुलासा नही- ✻ 6 जून 24 को स्वास्थ्य विभाग के कमलेश ओझा के घर से 17 लाख के गहनों की चोरी। जिसमें 10 से 12 तोला सोना और 500 ग्राम चांदी की चोरी हुई थी। ✻ 6 जनवरी 25 को नगर के श्री गणेश ज्वेलर्स से तीन लाख के गहने

दिनदहाड़े चोरी कर गए। ✻ 4 अप्रैल 24 की शाम धानमंडी मार्ग से बैंक ऑफ़ इंडिया के कियोस्क संचालक संतोष गुप्ता से 2 लाख की लूट। इसके साथ ही अन्य कई चोरी की वारदातें हुई है और आए दिन हो रही है। जो पुलिस कार्यशैली को मुंह चिढ़ा रही है।

विधायक के भाई ने कहा थाने में दिया आवेदन, थानाप्रभारी ने नकारा- विधायक के घर के सामने हुई इस चोरी ने पुलिस प्रशासन की कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े कर दिये। क्षेत्रीय विधायक हरदीपसिंह डंग के भाई प्रदीप सिंह डंग ने बताया कि गुरुद्वारा चोरी मामले में थाने में आवेदन दिया है। जिसमें दान पात्र में करीबन तीस हजार की राशि थी। वहीं थाना प्रभारी कमलेश प्रजापति का कहना है कि चोरी की जानकारी मिली है लेकिन अभी तक किसी का भी आवेदन नहीं आया है और ना कोई फरियादी थाने पर पहुंचा है। हम अपने स्तर पर जांच कर चोरी का पता लगाने का लगाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस नगर के सीसीटीवी कैमरे खंगालकर अज्ञात चोरों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

राशन दुकाने: अभी भी 75 हजार से ज्यादा लोगो की ई केवायसी बाकी

मंदसौर, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले में अभी भी राशन दुकानों के 75 हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं की ई केवायसी नहीं हुई है। समय सीमा भी 15 जून से बढ़ाकर 30 जून कर दी गई है। लेकिन, तकनीकी समस्या पीछा नहीं छोड़ रही। मोबाईल ऐप से ई केवायसी अभी भी नहीं हो पा रही। कई लोगों की ई केवायसी अभी भी मशीन पर शो नहीं हो रही। कुल मिलाकर तकनीकी समस्या बरकरार है तो वहीं प्रशासन को भोपाल से ईकेवायसी करवाने के लिए प्रयास करने के निर्देश जारी किए गए है।

गांव और वार्डों में लगाए शिविर...

सरकारी राशन पर विभागीय मंत्री गोविंद सिंह राजपूत का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि हितग्राहियों की सुविधा के लिए नई व्यवस्था बनाई जा रही है। इसके लिए सभी उपभोक्ताओं का ई-केवायसी कराया जाना है। उन्होंने यह भी बताया कि शेष हितग्राहियों की ई-केवायसी जून माह में पूर्ण कराने के लिए पूरे प्रदेश में गांव और वार्ड में शिविर लगाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि प्रदेश में शेष 54.8 लाख उपभोक्ताओं की भी ई-केवाईसी जून में पूर्ण करने का लक्ष्य है। इसके लिए खाद्य विभाग की अपर मुख्य सचिव रश्मि अरूण शमी ने प्रदेश के सभी संभागायुक्त और कलेक्टर्स को आवश्यक प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए मोबाईल पर भी ई-केवायसी की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

समन्वय समिति की समीक्षा बैठक कल

मंदसौर, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। अग्रणी जिला प्रबंधक श्री संजय कुमार द्वारा बताया गया कि जिला स्तरीय समन्वय समिति की समीक्षा बैठक कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में 19 जून 2025 को आयोजित होगी। समीक्षा बैठक दोपहर 3 बजे सुशासन भवन के सभा कक्ष में आयोजित होगी।

पुलिस वालों का व्यवहार बताने लगाएं जाएंगे क्यूआर कोड

शिकायतकर्ता को बताना होगा-कैसा किया पुलिस ने बर्ताव

भोपाल, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। अब हर एफआईआर के बाद शिकायतकर्ताओं को थाने में पुलिसकर्मियों के व्यवहार के संबंध में फीडबैक भी देना होगा। बताना होगा कि थाने में उनके साथ कैसा बर्ताव किया गया। पुलिसकर्मी ने अच्छे से बात की या नहीं। समस्या को ठीक से सुना या नहीं। इसके लिए थानों में क्यूआर कोड लगाए जा रहे हैं। इसको स्कैन करने के बाद शिकायतकर्ता ऑनलाइन फीडबैक भर सकेगा। पुलिस मुख्यालय ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं।

किसी खुले स्थान पर क्यूआर कोड लगाया जाएगा। जिसे स्कैन कर लोग सेवाओं पर अपनी प्रतिक्रिया दे सकेंगे। फीड बैक के आधार पर कमियों को दूर करेंगे। क्यूआर कोड को गूगल या एनआइसी के माध्यम से फॉर्म को जनरेट किया जाएगा। इसकी लिंक पुलिस कमिश्नर की ई-मेल आईडी से लिंक होगी।

यह जानकारी देनी होगी- ✻ नाम और मोबाइल नंबर ✻ अपराध नियंत्रण की स्थिति ✻ क्षेत्र में यातायात व्यवस्था ✻ सामाजिक गतिविधियों के दौरान पुलिस व्यवस्था ✻ आपदा के समय सहयोग ✻ पुलिसकर्मियों का व्यवहार ✻ पुलिसकर्मियों की कार्य दक्षता ✻ थाना भवन की साफ सफाई ✻ थाना भवन में उपलब्ध संसाधन ✻ आगंतुकों की बैठने की व्यवस्था

इनका कहना- देवास में इस व्यवस्था को पहले लागू किया गया था। अब मुख्यालय से पूरे प्रदेश में इसे लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यालय ने क्यूआर स्कैन कोड बनाया है। इसका फॉर्मेट सभी को दिया गया है।

पवन श्रीवास्तव
एडीजी, पुलिस मुख्यालय

वन विभाग ने अवैध अतिक्रमण पर कार्यवाही की

नीमच, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। मुख्य वन संरक्षक उज्जैन, श्री एम. आर. बघेल एवं वनमण्डल अधिकारी नीमच, श्री एस.के. अटोदे के मार्गदर्शन में, वन सीमा सुरक्षा सप्ताह के तहत मंगलवार 17 जून को रतनगढ़ वन परिक्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। जिले में 14 से 22 जून 2025 तक मनाए जा रहे वन सीमा सुरक्षा सप्ताह के तहत, वन विभाग की टीम ने 9 हेक्टेयर वन भूमि को सफलतापूर्वक अतिक्रमण से मुक्त कराया है।

यह कार्रवाई उप वनमण्डल अधिकारी नीमच श्री दशरथ अखंड एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी रतनगढ़, श्री पी.एल. गेहलोत के नेतृत्व में डीकेन सब-रेंज की गुंजालिया बीट के कक्ष क्रमांक पी-246 में की गई है। अतिक्रमण हटाने के लिए वन विभाग द्वारा कंटूर ट्रेंच एवं पशु अवरोध खंति की खुदाई की गई। साथ ही, अतिक्रमणकारियों द्वारा बनाई गई बागड़ एवं पत्थर की दीवारों को भी हटा दिया गया है। इस कार्रवाई के दौरान वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बड़ी टीम मौजूद रही। इनमें परिक्षेत्र सहायक डीकेन श्री अरविंद गौड़, परिक्षेत्र सहायक ताल श्री बी.एल. दायणा, परिक्षेत्र सहायक बाणदा श्री अजय तोमर, एवं परिक्षेत्र सहायक उमर श्री तरुण बोरीवाल शामिल थे। इसके अतिरिक्त, वनरक्षक सर्वश्री नयन मालवीय, भूपेन्द्र बैरागी, मदनलाल धनगर, जयंत अहीर, कालू सिंह निनामा, अमित जैन, जुल्फिकार मंसूरी, एवं सुश्री प्रीति कनेरिया ने भी इस कार्रवाई में अपनी भूमिका निभाई। साथ ही विभाग के स्थाईकर्मी सर्वश्री राजेंद्र प्रजापति एवं वाहन चालक बालकिशन, दिनेश, दीपक, व राहुल, सुरक्षा श्रमिक हरचरण, रामदेव, सेवाराम गुर्जर, एवं रतन ने भी इस कार्य में अपना सहयोग दिया।

एकेडमी में चयन हेतु 100 हॉकी खिलाड़ियों का ट्रायल किया

मंदसौर, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला खेल अधिकारी श्री विजेंद्र देवड़ा द्वारा बताया गया कि मध्य प्रदेश शासन के खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित मध्य प्रदेश हॉकी पुरुष हॉकी एकेडमी में खिलाड़ियों के चयन हेतु ट्रायल का आयोजन हॉकी एस्ट्रो टर्फ मंदसौर पर किया गया। मध्य प्रदेश हॉकी एकेडमी के हेड कोच श्री समीर दाद, श्री लोकेंद्र शर्मा और कंडीशनिंग कोच श्री आरिफ द्वारा मंदसौर, रतलाम , नीमच से खिलाड़ी उपस्थित हुए 12 से 18 आयु वर्ग के 100 हॉकी खिलाड़ियों का ट्रायल किया गया। जिसमें स्किल टेस्ट, फिजिकल फिटनेस टेस्ट एवं मैच प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ीयों का आंकलन किया गया। और उत्कृष्ट खिलाड़ियों को फाइनल ट्रायल के लिए भोपाल हॉकी एकेडमी में जाने हेतु चयनित किया गया।

अंतराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन 21 को

मंदसौर, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला आयुष अधिकारी डॉ कमलेश धनोतिया द्वारा बताया गया कि 21 जून 2025 को ग्यारहवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के विषय पर संपूर्ण विश्व में वसुधैव कुटुंबकम की भावना से एक साथ मुख्य समारोह में मनाया जाएगा। योग प्राचीन भारतीय परंपरा एवं संस्कृति की अमूल्य देन है। योग चित्त वृत्ति निरोध: चित्त की वृत्तियों का निरोध ही योग कहलाता है। योग स्वस्थ जीवन की कला एवं विज्ञान है योग अभ्यास शरीर एवं मन ,विचार एवं कर्म ;आत्म संयम एवं पूर्णता की एकात्मकता तथा मानव एवं प्रकृति के बीच सामंजस्य प्रदान करता है।

योग केवल व्यायाम नहीं है बल्कि स्वयं के साथ विश्व और प्रकृति के साथ एकत्व खोजने का भाव है। योग हमारी जीवन शैली में परिवर्तन लाकर हमारे अंदर जागरूकता उत्पन्न करता है तथा प्राकृतिक परिवर्तनों से शरीर में होने वाले बदलावों को सहन करने में सहायक होता है। योग एक विज्ञान है जो शारीरिक मानसिक आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रहने का ज्ञान करता है यह किसी प्रजाति आयु लिंग धर्म जाति के प्रतिबंधन से मुक्त है। योग के अनुसार अधिकांश रोग मानसिक मनो शारीरिक एवं शारीरिक होते हैं जो सोच विचार रहन-सहन तथा खान-पान की गलत आदतों के कारण मन में उत्पन्न होते हैं जिसका कारण स्वयं से लगाव है योग का मुख्य उद्देश्य जीवन की सभी परिस्थितियों में तार्किक सकारात्मक तथा आध्यात्मिक विचारधारा से जीवन शैली में सुधार लाना है। योग साधनाओं में यम नियम आसन प्राणायाम प्रत्याहार धारणा ध्यान समाधि बंध मुद्रा एवं षटकर्म युक्तआहार मंत्र जाप युक्त कर्म आदि साधनाओं का अभ्यास सबसे अधिक किया जाता है। यम प्रतिरोधक एवं नियम अनुपालन है इन्हें योग अभ्यास के लिए पूर्व अपेक्षित एवं अनिवार्य माना गया है, आसन का अभ्यास शरीर एवं मन में स्थायित्व लाने में सक्षम है, प्राणायाम श्वास प्रश्वास प्रक्रिया का सुव्यवस्थित एवं नियमित अभ्यास है।

डिजिटल अटेंडेंस, 6 घंटे अनिवार्य... अब कॉलेज से गायब नहीं हो सकेंगे एमपी के प्रोफेसर, नहीं तो कटेगा वेतन

भोपाल, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश भर के कॉलेजों में शिक्षकों सहित अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति ऑनलाइन अनिवार्य कर दी गई है। इसकी रिपोर्ट भी कलेक्टर को भेजी जाएगी। अगर ऑनलाइन उपस्थिति नहीं लगी तो वेतन में कटौती होगी। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग कई बार आदेश जारी कर चुका है। फिर से विभाग ने सभी कॉलेज के प्राचार्यों को आदेश जारी कर प्राध्यापकों सहित ग्रंथपाल, लाईब्रेरियन और अतिथि विद्वानों उपस्थिति सार्थक एप से लगाने के आदेश जारी कर दिए हैं।

ऐप उपस्थिति लगने से ही मिलेगा वेतन- यह भी स्पष्ट किया है कि ऐप से मिली उपस्थिति से विभाग वेतन जारी करेगा। समस्या दूर दराज के कॉलेजों में आ रही हैं। जहां इंटरनेट नहीं होने पर सार्थक ऐप से उपस्थित नहीं लग रही है। यहां तक फेस रीडिंग तक नहीं हो पा रही है। हालांकि इससे कई कॉलेजों में शिक्षकों की उपस्थिति पूरी हो रही है।

कलेक्टर को भेजी जाएगी उपस्थिति- प्राचार्य सार्थक एप के माध्यम से एक एनालिटिकल हैशबोर्ड तैयार करेंगे। इसमें कॉलेज की आईडी से लॉगिन कर डाटा एनालिटिक्स देख सकेंगे। उसे जिले के कलेक्टर और उनके संभागीय आयुक्त को भी शिक्षकों की उपस्थिति को भेजना होगा। सभी की उपस्थिति की कैलकुलेशन जिले के एम्प्लाईज के उपस्थति मार्क करने से किया जाएगा। इसमें प्रोफेसर सहित अन्य सभी वर्ग के अधिकारियों के आने और जाने के समय उपस्थिति लगाना होगी। इसमें सिर्फ आने का समय देने पर उनकी उपस्थिति मान्य नहीं की जाएगी।

6 घंटे होगी कॉलेजों में उपस्थिति- विभागीय आदेश के मुताबिक शिक्षक, खेल अधिकारी, लाइब्रेरियन, अतिथि विद्वान को कॉलेज में यूजीसी के नियम के तहत उपस्थित रहना होगा। यूजीसी ने नए नियम के तहत उक्त सभी की उपस्थिति (आने और जाने के बीच) का समय छह घंटे किया है। इससे अब सभी को 6 घंटे तक कॉलेजों में रुकना होगा। इससे कम समय होने पर उनको मिलने वाले वेतन में कांट-छांट भी हो सकती है।

शिक्षकों के लिए पांच घंटे का समय निर्धारित- प्रांतीय शा. महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ अध्यक्ष आनंद शर्मा ने कहा कि शासन का आदेश शिक्षकों के लिए पांच घंटे का समय निर्धारित है। अब यूजीसी के अनुसार समय निर्धारण से अधिक घंटे पर वेतन भी मिलना चाहिए। अगर शिक्षक कभी काम से अधिक घंटे रूकते हैं तो अतिरिक्त वेतन भी मिलना चाहिए।

एनसीसी का दस दिवसीय शिविर सांस्कृतिक उत्सव के साथ संपन्न

कैडेटस की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध, विविध गतिविधियों में दिखी बहुआयामी प्रतिभा

मंदसौर, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। 5 मध्यप्रदेश बटालियन एनसीसी द्वारा आयोजित दस दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का समापन रंगारंग सांस्कृतिक संध्या के साथ हुआ। 8 जून से प्रारंभ हुए इस शिविर में कैडेटस ने न केवल सैन्य अनुशासन और कौशल का प्रदर्शन किया, बल्कि कला, संस्कृति और सामाजिक सरोकारों में भी अपनी भागीदारी से सभी का मन मोह लिया। समापन समारोह की शुरुआत गणेश वंदना से हुई, जिसके पश्चात कैडेटस द्वारा मंच पर प्रस्तुत लोकनृत्य, गीत और नाट्य दृश्यों ने उपस्थितजनों को लोक-संस्कृति की समृद्ध झलक प्रदान की।

इस अवसर पर बटालियन के कमान अधिकारी द्वारा उत्कृष्ट कैडेटस को सम्मानित किया गया। उन्होंने कैडेट्स के अनुशासन, परिश्रम और लगन की सराहना करते हुए उन्हें आत्मनिर्भर और राष्ट्रभक्त नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। शिविर के दौरान कैडेटस को

शारीरिक प्रशिक्षण, फायरिंग, प्राथमिक चिकित्सा, साइबर सुरक्षा, सैन्य योजना, ट्रैफिक नियंत्रण और आपदा प्रबंधन जैसे विविध विषयों में गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। युद्धाभ्यास के अंतर्गत दिशा-ज्ञान, रेडियो संचार, घात तकनीक और हथियार संचालन जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों पर व्यावहारिक अनुभव भी कराया गया। जिला ट्रैफिक पुलिस द्वारा आयोजित सत्र में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी दी गई, जिससे कैडेटस में एक जिम्मेदार नागरिक बनने की चेतना विकसित हुई। योग प्रशिक्षक श्री बंशीलाल टांक और सुश्री आस्था भावसार ने योग के माध्यम से शारीरिक और मानसिक संतुलन बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. छवि द्वारा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर जानकारी दी गई, जिससे कैडेटस को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा मिली। डॉ. हिमांशु यजुर्वेदी ने थैलेसीमिया और सिकल सेल एनीमिया पर उपयोगी जानकारी प्रदान की। राष्ट्रीय अपराध जांच ब्यूरो के राज्य समन्वयक श्री राजेश सुराणा ने साइबर अपराध एवं सतर्कता पर सत्र लेकर कैडेटस को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। शिविर के एक विशेष सत्र में मंदसौर के पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद ने भी कैडेटस से संवाद कर उन्हें प्रेरणा दी। मंदसौर नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रमा देवी गुर्जर एवं उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता चावला ने भी शिविर में पहुंचकर अपने विचार रखे। शिविर के दौरान खेलकूद, चित्रकला, भाषण, निबंध और सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन ने कैडेटस की बहुआयामी प्रतिभा को मंच प्रदान किया। उनकी सहभागिता ने यह सिद्ध कर दिया कि एनसीसी केवल सैन्य अनुशासन का मंच नहीं, बल्कि समग्र व्यक्तित्व विकास की दिशा में एक मजबूत प्रयास है। इस शिविर के माध्यम से श्रेष्ठ निशानेबाजों, वक्ताओं, परेड विशेषज्ञों और सांस्कृतिक प्रतिभाओं का चयन किया गया, जिन्हें आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

जनसुनवाई में 107 मामलों में सुनवाई की

मंदसौर, 17 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग व अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन द्वारा सुशासन भवन सभाकक्ष में 107 आवेदकों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मंदसौर जिले के मोहम्मदपूरा निवासी आवेदक बालाराम माली ने मकान के पास विद्युत खम्बे को हटाने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर एमपीईबी विभाग मंदसौर को निर्देश दिए कि जांच कर कार्यवाही करें। मंदसौर जिले के मजेसरा निवासी देवीलाल ने संबल योजना का लाभ नही मिलने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर सीईओ जनपद मंदसौर को निर्देश दिए कि जांच कर कार्यवाही करें। मंदसौर निवासी आवेदक संगीता ने आर्थिक सहायता के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर नगर पालिका सीएमओ मंदसौर को निर्देश दिए कि जांच कर कार्यवाही करें। मंदसौर जिले के केलूखेड़ी निवासी आवेदक उदा ने खेत पर आने – जाने का रास्ता खुलवाने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर तहसीलदार सितामऊको निर्देश दिये कि जांच कर कार्यवाही करें। इसके साथ ही जनसुनवाई के दौरान आर्थिक सहायता प्रदान करने, कृषि भुमि पर कब्जा व फसल नुकसान, प्रधानमंत्री आवास, अतिक्रमण हटाने, स्वीकृत राशी जमा नहीं होने, इत्यादि तरह-तरह के आवेदन आये।

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर
नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी कम्बल केन्द्र मंदसौर स्थित भवन क्रमांक 1/4 जो श्री जयप्रकाश जायसवाल पिता श्री अम्बालाल जायसवाल को आवंटित किया गया था। उक्त भवन का विक्रय विलेख दिनांक 09.01.1978 इनके पक्ष में पंजीबद्ध करवाया गया था। इनके द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्रीमती शकुन्तला बाई पति श्री हरिबाबु जायसवाल को कर विक्रय पत्र दिनांक 01.05.1978 को इनके पक्ष में पंजीयन निष्पादित करवाया गया था। श्रीमती शकुन्तला बाई पति श्री हरिबाबु जायसवाल का स्वर्गवास दिनांक 20.06.2024 एवं इनके पति श्री हरिबाबु जायसवाल पिता श्री अम्बालाल जायसवाल का स्वर्गवास दिनांक 05.11.2023 को हो जाने से इनके पुत्र श्री रवि जायसवाल पिता स्व. श्री हरिबाबु जायसवाल पंजीकृत वसीयत एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण अपने नाम करवाना चाहते है।

अत : इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भवन का नामान्तरण श्री रवि जायसवाल पिता स्व. श्री हरिबाबु जायसवाल के नाम कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (मप्र)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in